दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 236 पृष्ठ 12, रीवा

सोमवार 18 मई 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर

हैदराबाद राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया जब नीदरलैंड से आने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए प्राप्त हुई। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गई और एयरपोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार, ईमेल में फ्लाइट को निशाना बनाने की बात कही गई थी, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। यात्रियों और उनके सामान की सघन जांच की जा रही है, जबकि पूरे टर्मिनल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जांच पूरी होने तक सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्ती से लागू रहेगा।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब एक दिन पहले ही कुआलालंपुर से हैदराबाद आ रही एयरएशिया की एक उड़ान को भी इसी तरह की बम धमकी मिली थी। हालांकि उस मामले में सुरक्षा जांच के बाद धमकी को झूठा पाया गया था। जांच में पता चला था कि ईमेल के जरिए फ्लाइट में आत्मघाती हमलावर होने का दावा किया गया था, जो बाद में निराधार साबित हुआ। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा जांच में सहयोग करें।

मुस्लिम लीग पर बार-बार हमले तनाव पैदा करने के उद्देश्य से किए जा रहे

वेणुगोपाल बोले- सांप्रदायिकता भड़काने को बर्दाश्त नहीं करेंगे

-केरल में नई सरकार का शपथ ग्रहण आज

तिरुवनंतपुरम, केरल में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को होगा, लेकिन सरकार गठन से पहले कांग्रेस नेतृत्व ने रविवार को कैबिनेट संबंधी निर्णयों और विभागों के बंटवारे को लेकर यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। इसको लेकर एआईसीसी के महासचिव और सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि रविवार शाम मंत्रियों की सूची राज्यपाल को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के नामों की घोषणा सीधे तौर पर नहीं की जाती, यह हमेशा से ही परंपरा रही है। यूडीएफ की एक सक्षम टीम मंत्रियों के रूप में शपथ लेगी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वेणुगोपाल ने कहा कि यूडीएफ एक ऐसी बेहतरीन टीम उतारेगी जो केरलम की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगी। सरकार घोषित की गई गारंटियों पर गंभीरता से विचार करेगी। इस संबंध में किसी भी तरह की चिंता करने की जरुरत नहीं है। सरकार तो अभी बस शपथ लेने ही जा रही है। उससे पहले, वेल्लापल्ली नटेसन को इस तरह के भड़काऊ बयान देने से बचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम ही इस बात का प्रमाण है कि केरल के लोग सांप्रदायिकता भड़काने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग पर बार-बार हो रहे हमले सामाजिक तनाव पैदा करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि यूडीएफ के घटक दल एक-दूसरे पर प्रभुत्व जमाने वाले लोग नहीं हैं। सभी आपसी सम्मान के साथ व्यवहार करेंगे। कांग्रेस के अपने तौर-तरीके और दृष्टिकोण हैं। मुस्लिम लीग के भी अपने होंगे, लेकिन यूडीएफ व्यवस्था के अंदर, यह केवल उसी तरह आगे बढ़ सकता है जो सभी का सम्मान करे और सभी को स्वीकार्य हो। पार्टी की इच्छा थी कि रमेश चेन्नितला मंत्रिमंडल में हों, और तदनुसार, वे आए हैं।

राजस्थान में पुलिस कर रही साइकिल पेट्रोलिंग

जयपुर, पुलिस ने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और आम जनता से बेहतर संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से कई शहरों में साइकिल पेट्रोलिंग शुरू की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह पहल विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले बाजारों, सकरी गलियों और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी के लिए शुरू की गई है, जहां पुलिस वाहनों की आवाजाही कठिन होती है। साइकिल पेट्रोलिंग के माध्यम से पुलिसकर्मी तेजी से क्षेत्र में पहुंच सकेंगे और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रख पाएंगे।

यूपी में बांदा जिला 44.8 तापमान के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा

लखनऊ,चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी ने अपना असर फिर दिखाना शुरू कर दिया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक बुंदेलखंड का बांदा जिला 44.8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा। इसके अलावा झांसी में 44.1 डिग्री, प्रयागराज में 44 डिग्री, उरई में 43.4 डिग्री और हमीरपुर में तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल के खिलाफ मनप्रीत सिंह ने कोर्ट में दी गवाही

अमृतसर, खालिस्तान समर्थक और हलका खडूर साहिब से सांसद बने अमृतपाल सिंह के खिलाफ मनप्रीत सिंह ने अतिरिक्त जिला एव सत्र न्यायाधीश के सामने गवाही दी। पीड़ित मनप्रित ने कोर्ट को बताया कि फरवरी 2023 को खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने अपने साथी अमनदीप सिंह अमना के साथ मिलकर दातर से उस पर हमला कर घायल कर दिया था। पता चला है कि मनप्रीत की गवाही कोर्ट में अभी पूरी नहीं हो सकी है। कोर्ट ने अगली तारीख 20 मई तय की है। बता दें डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी करवाई जा रही है।

कश्मीर घूमने आए पर्यटक की खाई में गिरी कार, दंपति की मौत, ड्रायवर गंभीर

जम्म जम्मू-कश्मीर के पहलगाम मे शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में गुजरात से कश्मीर घूमने आए एक पर्यटक दंपति की मौत हो गई। पर्यटकों की कार अनियंत्रित होकर एक गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक गुजरात के रहने वाले अशोक भाई और उनकी पत्नी नैना बेन कश्मीर की वादियों का लुत्फ उठाने आए थे। शनिवार को वे टैक्सी से पहलगाम से खूबसूरत अरु वैली जा रहे थे।

देश में कहीं बरस रही आग, कहीं तेज आंधी और बिजली से लोग परेशान

-मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश समेत 19 राज्यों में किया अलर्ट जारी

नई दिल्ली, मई की तपती दोपहर और रात में भी बदन झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। देश के कई हिस्सों में लोग इस समय दोहरी मार झेल रहे हैं। कहीं आसमान से आग बरस रही है तो कहीं तेज आंधी और बिजली लोगों की चिंता बढ़ा रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वोत्तर समेत 19 राज्यों में तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सिर्फ राहत नहीं बल्कि खतरा है। खेतों में खड़ी फसल, सड़क पर चल रहे लोग और खुले इलाकों में मौजूद लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है। इस बार गर्मी और प्री-मानसून एक्टिविटी एक साथ असर दिखा रही है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में दिन में हीटवेव और शाम होते ही धूल भरी आंधी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य उत्तर प्रदेश और दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर उत्तर और पूर्व भारत के बड़े हिस्से में दिखाई देगा।

पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिससे हिमालयी राज्यों में बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में तूफानी बारिश का कारण बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के तीसरे सप्ताह में यह सिस्टम और मजबूत होगा। इससे कई राज्यों में बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली-एनसीआर में जहां गर्म हवाएं लोगों को परेशान करेंगी, वहीं यूपी और बिहार में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू का प्रकोप रहेगा, लेकिन कुछ हिस्सों में बादल राहत देंगे। कुल मिलाकर अगले 48 घंटे देश के मौसम के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है।

एआई, ग्रीन एनर्जी और डिफेंस डील को मिलेगी नई गति

आज शाम स्वीडन रवाना होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के तीसरे चरण में आज शाम स्वीडन पहुंचेंगे, जहां वह गोथेनबर्ग शहर की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी स्वीडन यात्रा है। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2018 में प्रथम भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वीडन का दौरा किया था। इस बार की यात्रा को दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,ग्रीन टेक्नोलॉजी, रक्षा उत्पादन और सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति मिलने की उम्मीद है।

अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वीडन के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, ग्रीन ट्रांजिशन, उभरती तकनीक, रक्षा, अंतरिक्ष, जलवायु परिवर्तन और जन-जन के संबंधों को मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा होगी। भारत और स्वीडन अब एक-दूसरे को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में पूरक साझेदार के रूप में देख रहे हैं। स्वीडन दुनिया की सबसे इनोवेटिव अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और भारत तेजी से डिजिटल तथा तकनीकी महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी यूरोपियन राउंडटेबल फॉर इंडस्ट्रीज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे, जहां यूरोपीय संघ, ईएफटीए और ब्रिटेन के कई बड़े उद्योगपति मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन संयुक्त रूप से संबोधित करेंगी। माना जा रहा है कि इस दौरान भारत में निवेश, सप्लाई चेन विविधीकरण और हाई-टेक सेक्टर में साझेदारी को लेकर कई अहम चर्चाएं होंगी।

यौन उत्पीड़न के मामले में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय कुमार का बेटा गिरफ्तार

हैदराबाद, । केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया। मंत्री के अनुसार, उनका बेटा लगातार खुद को निर्दोष बता रहा है और इस संबंध में उसने अपने वकीलों को पुख्ता सबूत भी सौंपे हैं। वकीलों को उम्मीद थी कि कोर्ट से राहत मिल जाएगी, जिसके कारण आत्मसमर्पण में थोड़ी देरी हुई। लेकिन कोर्ट का आदेश आने का इंतजार किए बिना, न्यायपालिका के प्रति सम्मान और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्होंने बेटे को जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया। यह पूरा मामला करीब एक सप्ताह पहले तब शुरू हुआ जब एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने भगीरथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भगीरथ के नाबालिग लड़की के साथ संबंध थे और उसने लड़की का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने भगीरथ पर गलत तरीके से छूने और जबरदस्ती शराब पिलाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था।दूसरी तरफ, आरोपी भगीरथ ने भी पुलिस में एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। भगीरथ का दावा है कि लड़की उसे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों और पार्टियों में बुलाती थी। इसके बाद उसके परिवार वालों ने उस पर शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी।

भारी तनाव के बीच कच्चा तेल लेकर भारतीय तट की ओर बढ़ा विशाल टैंकर

नई दिल्ली पश्चिम एशिया में जारी गंभीर सैन्य संकट के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और राहत भरी खबर सामने आई है। तमाम रणनीतिक चुनौतियों और युद्ध के खतरों के बावजूद, ग्लोबल एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर कच्चे तेल से लदा एक विशाल टैंकर भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। फारस की खाड़ी (पर्शियन गल्फ) क्षेत्र में ईरान और अमेरिकी सेना के बीच जारी भारी तनाव के बीच इस टैंकर का सुरक्षित निकलना भारत के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, करोलोस नाम का यह स्वेजमैक्स टैंकर इराकी कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और ओमान की खाड़ी से होते हुए अरब सागर के रास्ते भारत की ओर अग्रसर है।

शिप ट्रैकिंग के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या में इन दिनों भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्शियन गल्फ में जारी संघर्ष अब 12वें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके कारण समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध से पहले की तुलना में वर्तमान ट्रांजिट बेहद निचले स्तर पर बना हुआ है। अमेरिकी प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुक जाएगा, लेकिन तेहरान की ओर से होर्मुज पर अपनी पकड़ ढीली करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। ईरान ने युद्ध समाप्ति की वार्ता में लौटने के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार करना है।

जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, करोलोस टैंकर इराक के बसरा टर्मिनल से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। उपग्रह से मिली तस्वीरों और गुरुवार को ओमान की खाड़ी में इसकी स्थिति से संकेत मिला है कि यह जहाज पूरी तरह कच्चे तेल से लदा हुआ है। इस बीच, इराक से वियतनाम जा रहा एक अन्य तेल टैंकर अभी भी ओमान की खाड़ी में फंसा हुआ है, जिसे अमेरिकी नौसेना द्वारा रोके जाने की खबर है। होर्मुज जलमार्ग में फिलहाल सुरक्षा हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि ईरान पर प्रतिबंध लागू करने के बाद अमेरिकी सेना अब तक 75 व्यावसायिक जहाजों का मार्ग बदल चुकी है। इसके अलावा, क्षेत्र में ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम संकेतों में बड़े पैमाने पर हो रहे हस्तक्षेप और ईरान से जुड़े जहाजों द्वारा अपने ट्रैकिंग सिग्नल बंद कर देने के कारण स्वतंत्र निगरानी करना कठिन हो गया है।

180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों की अब तक नहीं हुई डिलीवरी

-डिजाइन और डेवलपमेंट पर अभी काम बाकी, इसलिए टली बैठक

नई दिल्ली, भारतीय वायुसेना में फाइटर स्क्वॉड्रन की कमी को पूरा करने के लिए एचएएल के साथ 180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों का कॉन्ट्रैक्ट किया गया था, लेकिन अब तक एक भी फाइटर एयरक्राफ्ट की डिलीवरी नहीं हुई है। रडार की परफॉर्मेंस और कुछ अन्य सिस्टम्स में सुधार के बाद हिन्?दुस्?तान एयरोनॉटिक्?स लिमिटेड (एचएएल) को मई महीने में इंडियन एयरफोर्स के सामने रिव्यू के लिए प्रेजेंटेशन देना था, लेकिन यह बैठक नहीं हो सकी।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक यह रिव्यू बैठक अगले महीने तक के लिए टल गई है। अब जून में तेजस मार्क-1ए को लेकर अहम रिव्यू बैठक होने की संभावना है। वायुसेना के सूत्र पहले ही कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि नॉन-नेगोशिएबल ऑपरेशनल जरूरतों पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। हालांकि, कुछ समझौतावादी बिंदुओं पर एचएएल को सीमित राहत मिल सकती है। जून में होने वाली यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसमें तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी की संभावित तारीख तय हो सकती है। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यदि कॉन्ट्रैक्ट के तहत तय मानकों में कुछ मामूली कमी रह जाती है तो उस पर विचार किया जा सकता है। इस मामले में अंतिम फैसला रक्षा मंत्रालय को लेना है, क्योंकि कॉन्ट्रैक्ट रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच हुई है। यदि कॉन्ट्रैक्ट में किसी तरह का बदलाव किया जाता है, तो उसकी मंजूरी भी मंत्रालय स्तर पर ही होगी। एचएएल के पूर्व सीएमडी डॉ. डीके सुनील पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि डिजाइन और डेवलपमेंट से जुड़े 1-2 बिंदुओं पर अभी काम बाकी था। माना जा रहा है कि यही कारण मई की बैठक टलने की वजह बना।

प्रस्तावित बैठक में एचएएल को तेजस मार्क-1ए की मेजर, माइनर और अनिवार्य ऑपरेशनल जरूरतों की प्रगति रिपोर्ट पेश करनी है। एचएएल के पूर्व सीएमडी डॉ. डीके सुनील ने पहले बताया था कि 21 एयरक्राफ्ट तैयार हैं और उनका कैट-बी इंजन के साथ परीक्षण भी किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया था कि पिछले साल दिसंबर में वायुसेना के साथ हुई रिव्यू बैठक में बीवीआर एयर-टू-एयर मिसाइल, लेजर गाइडेड बम, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और रडार इंटीग्रेशन का काम पूरा होने की जानकारी दी गई थी. हालांकि, रडार की परफॉर्मेंस में सुधार समेत कुछ अन्य पहलुओं पर काम बाकी था। एचएएल द्वारा तैयार किए गए एयरक्राफ्ट का पहले तकनीकी मूल्यांकन होगा, उसके बाद वायुसेना के टेस्ट पायलट उसकी उड़ान भरेंगे। इससे यह तय किया जाएगा कि विमान एएसओआर मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। निरीक्षण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

राजधानी एक्सप्रेस का एसी कोच बना आग का गोला

- लपटें देखकर यात्रियों में मचा हड़कंप

जयपुर राजस्थान में आज सुबह तिरुवनंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12431) में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। कोटा रेल मंडल के लूनी रिछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशनों के बीच ट्रेन के बी-1 एसी कोच में अचानक आग लग गई। ट्रेन के डिब्बे से उठती तेज लपटों और धुएं को देखकर यात्रियों में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन तुरंत हरकत में आया। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अधिकारी और तकनीकी कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। तत्परता दिखाते हुए ट्रेन की बिजली सप्लाई को तुरंत काट दिया गया, जिससे आग आगे नहीं फैल सकी। इसके साथ ही आग को पूरी ट्रेन में फैलने से रोकने के लिए प्रभावित बी-1 कोच को बाकी ट्रेन से अलग कर दिया गया।

राहत की बात यह रही कि कोच में सवार सभी 68 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस हादसे में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई है और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

टेक्नो डिजिटल ने मुंबई में उतारा दूसरा एज डेटा सेंटर

नई दिल्ली। टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी की डिजिटल अवसंरचना इकाई टेक्नो डिजिटल ने मुंबई के महालक्ष्मी में अपना दूसरा एज डेटा केंद्र (ईडीसी) शुरू किया है। 25 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र लो-लेटेंसी और एआई-तैयार डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ 20 वर्ष की राजस्व-साझेदारी में विकसित 800 किलोवाट क्षमता वाला यह ईडीसी वित्तीय, मीडिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को तेज व सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देगा। इससे पहले कंपनी का एक एज डेटा सेंटर गुरुग्राम में पहले से संचालित है।

प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री घटी, मांग में नरमी का असर

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान मकानों की बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर लगभग 96 हजार इकाई रह गई है। मांग में नरमी और सस्ते घरों की नई आपूर्ति कम रहने से बिक्री प्रभावित हुई है। यह जानकारी एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे जैसे आठ शहरों में कुल 95,973 आवासीय संपत्तियां बिकीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 98,095 इकाई था।

टाटा संस की लिस्टिंग पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूह, टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का चौतरफा दबाव बढ़ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के नए नियम, पूंजी जुटाने की आवश्यकता और प्रमुख शेयरधारकों की मांग के चलते यह कंपनी अब तक के सबसे बड़े कॉरपोरेट बदलाव के मुहाने पर खड़ी है। आरबीआई के नए नियमों के अनुसार, कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) के रूप में टाटा संस को मार्च 2025 तक सूचीबद्ध होना पड़ सकता है। इसी बीच, टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स के भीतर से भी लिस्टिंग की मांग उठ रही है।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है।

खाद्य तेल बाजार में उतार-चढ़ाव- मूंगफली सस्ती, सरसों-सोयाबीन में तेजी

- आयात शुल्क वृद्धि, रुपये की कमजोरी और कमजोर आवक से सरसों-सोयाबीन हुए महंगे

नई दिल्ली। बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। गुजरात में गर्मी की मूंगफली फसल की संभावना से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में ?गिरावट देखी गई, वहीं कमजोर आवक और बढ़ती मांग के चलते सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में तेजी ??दिखाई दी।

सरकार द्वारा सीपीओ और सोयाबीन डीगम पर आयात शुल्क मूल्य क्रमशः 4.5 रुपये और 1.5 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के साथ-साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास रहने से आयातित तेलों के दाम बढ़े। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सोयाबीन प्लांटों द्वारा खरीद मूल्य बढ़ाने से भी सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार आया। बाजार के जानकारों के अनुसार, सरसों का तेल सस्ता होने के कारण इसकी मांग बढ़ी है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक दाम मिलने से वे अपनी फसलें नाप-तौल कर बेच रहे हैं, जिससे आपूर्ति सीमित रहने और मांग बढ़ने से सरसों, सोयाबीन और बिनौला तेल के दाम ऊंचे रहे। कपास नरम का भाव भी एमएसपी से 10-11 प्रतिशत अधिक, 9,000 रुपये क्विंटल से ऊपर बना हुआ है। सूत्रों के मुता???बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 175 रुपये के सुधार के साथ 7,175-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 500 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 60-60 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 350-350 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,725 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये टूटकर 6,225-7,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये टूटकर 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये टूटकर 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये की मजबूती के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की मजबूती के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 225 रुपये की मजबूती के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेंसेस की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों ने गंवाए 3.12 लाख करोड़

- पश्चिमी एशिया में तनाव, सेंसेक्स-निफ्टी भी धड़ाम, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। बीते सप्ताह पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और रुपये की कमजोरी जैसे वैश्विक और घरेलू कारकों के मेल ने भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल पैदा किया। इसके चलते देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.12 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया। बाजार को लगे जोरदार झटके समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। इस बिकवाली के कारण, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,090.2 अंक यानी 2.7 प्रतिशत टूट गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 532.65 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,34,445.77 करोड़ रुपये घटकर 18,08,420.81 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 52,245.3 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को 47,415.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। भारती एयरटेल की जोरदार उड़ान इस नकारात्मक माहौल के बीच, दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक अपवाद के रूप में दमदार प्रदर्शन किया।

बदलती तस्वीर- टाटा मोटर्स ने कहा, ईवी जल्द होगी सबसे किफायती विकल्प!

- बैटरी लागत में गिरावट और कड़े उत्सर्जन मानदंड ईवी को बना रहे किफायती

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) ने घोषणा की है कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की किफायत में तेजी से सुधार हो रहा है और यह अंततः पेट्रोल-डीजल (आईसीई) वाले वाहनों की तरह ही लाभदायक हो सकते हैं। कंपनी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने वित्त वर्ष 2026 की अर्निंग्स कॉल के दौरान बताया कि यह रुझान मुख्य रूप से बैटरी और ईवी-सिस्टम की लागत में लगातार गिरावट के कारण है, जबकि आईसीई वाहनों पर नियामक लागत बढ़ रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद, कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों में पहले से ही मजबूत लाभ दर्ज कर रही है, जो आईसीई वाहनों के मुकाबले कोई खास कम नहीं है। उन्होंने विस्तार से बताया कि भविष्य के सख्त उत्सर्जन मानक आईसीई वाहनों के लागत ढांचे को और बढ़ाएंगे। इन कड़े नियमों का पालन करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और जटिल प्रणालियों की आवश्यकता होगी, जिससे पारंपरिक वाहनों का उत्पादन और महंगा हो जाएगा।

इसके विपरीत, ईवी की लागत समय के साथ तेजी से घट रही है। इसमें तकनीकी प्रगति और उत्पादन के पैमाने में वृद्धि के साथ बैटरी की लागत में निरंतर कमी, साथ ही स्थानीयकरण और कारोबार में इजाफा होने से मदद मिल रही है। उन्होंने कहा, लीथियम जैसी प्रमुख सामग्रियों की वैश्विक कीमतों में 2022 के उच्चतम स्तर से आई गिरावट ने भी पिछले दो वर्षों में ईवी बैटरी की लागत-दक्षता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे ईवी की किफायत मध्य से लंबी अवधि में आईसीई के बराबर या उससे बेहतर बनी रहेगी।

एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, मार्च से नहीं बढ़े घरेलू भाव

- दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 913 रुपये पर बरकरार; वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम भी स्थिर

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने रविवार को घरेलू और वाणिज्यिक दोनों प्रकार के सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि घरेलू सिलेंडर के दाम मार्च 2024 से ही स्थिर बने हुए हैं, जब आखिरी बार 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर अभी भी 913 रुपये में मिल रहा है। देशभर में उपभोक्ताओं को र?विवार को एलपीजी सिलेंडर के मोर्चे पर कोई नया झटका नहीं लगा है। रविवार को तेल कंपनियों द्वारा जारी की गई नई कीमतों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित रहे।

दिल्ली में जहां यह 913 रुपये में बिक रहा है, वहीं मुंबई में 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये का रेट बना हुआ है। मार्च 2024 के बाद से घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जब आखिरी बार 60 रुपये का इजाफा देखा गया था। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दामों में भी आज कोई वृद्धि नहीं की गई है, जो फिलहाल दिल्ली में 3071.50 रुपये, मुंबई में 3024 रुपये और चेन्नई में 3237 रुपये में उपलब्ध है।

हालांकि, यहां गौर करने वाली बात यह है कि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में मार्च के महीने से अब तक 47 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आखिरी बार मार्च में ही इसके दाम 993 रुपये बढ़ाए गए थे, जिसने व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बोझ डाला है। एलपीजी की कीमतें भले ही आज स्थिर हों, लेकिन ऊर्जा बाजार में अन्य ईंधन की कीमतों में इजाफा देखा गया है। शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जो चार साल बाद हुआ पहला बड़ा बदलाव था।

कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान के कारण कच्चे तेल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। तेल कंपनियों को मौजूदा हालात में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में उन्हें 57,000 करोड़ रुपये से 58,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, जो भविष्य में ईंधन की कीमतों पर दबाव बनाए रख सकता है।

फिर सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनीं टाटा पंच

नई दिल्ली। अप्रैल 2024 में टाटा पंच ने एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस कॉम्पैक्ट एसयूवी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी और कंपनी की एक और लोकप्रिय एसयूवी, टाटा नेक्सन को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। टाटा मोटर्स की हालिया बिक्री रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल महीने में टाटा पंच की कुल 19,107 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि टाटा नेक्सन की 18,126 यूनिट्स बिकीं। यह प्रदर्शन टाटा मोटर्स की कुल बिक्री में सालाना आधार पर प्रभावशाली 31 प्रतिशत की वृद्धि में भी सहायक रहा है। टाटा पंच की इस लगातार सफलता के पीछे उसकी मजबूत सुरक्षा, आकर्षक डिज़ाइन और आधुनिक फीचर्स का अहम योगदान है, जिसने ग्राहकों को खूब लुभाया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 5.65 लाख रुपए रखी गई है, जो इसे भारतीय ग्राहकों के लिए एक किफायती और वैल्यू-फॉर-मनी विकल्प बनाती है। नई पंच में 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएँ शामिल की गई हैं, जो पार्किंग और तंग जगहों पर गाड़ी चलाने को आसान बनाती हैं।

इसके अलावा, इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चार्जिंग और यात्रियों की सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग जैसे उन्नत फीचर्स भी दिए गए हैं। सुरक्षा के मामले में भी पंच को बेहद मजबूत माना जाता है। इसे ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में शानदार 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिल चुकी है, जो भारतीय सड़कों पर इसकी विश्वसनीयता को दर्शाती है। कंपनी के अनुसार, क्रैश टेस्ट के दौरान इसकी बॉडी स्ट्रक्चर सुरक्षित रहा और दुर्घटना के बाद भी सभी दरवाजे आसानी से खुल गए, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आपात स्थिति में यात्री सुरक्षित बाहर निकल सकें।

किआ सिरोस ईवी को अगस्त में लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली । अपनी नई और किफायती इलेक्ट्रिक एसयूवी, किआ सिरोस ईवी को किआ मोटर्स पेश करने की तैयारी में है। किआ सिरोस ईवी को इसी साल अगस्त महीने में लॉन्च किया जा सकता है। यह नई एसयूवी सीधे तौर पर बाजार में मौजूद टाटा नेक्सन ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी जैसे स्थापित खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देगी। जानकारी के मुताबिक, सिरोस ईवी का डिज़ाइन काफी हद तक इसके पेट्रोल मॉडल जैसा ही रखा जाएगा, जिसमें एक बॉक्सी स्टाइल, ऊंचा स्टांस और नए डिज़ाइन के अलॉय व्हील देखने को मिल सकते हैं। हाल ही में टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि इसमें चार्जिंग पोर्ट फ्रंट फेंडर पर स्थित होगा, जो इसे एक विशिष्ट पहचान देगा। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ईवी-विशिष्ट डिस्प्ले जो बैटरी और रेंज की जानकारी देगा, और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलने की पूरी संभावना है। वी2एल तकनीक उपयोगकर्ताओं को अपनी गाड़ी की बैटरी से बाहरी उपकरणों को बिजली देने की सुविधा देती है।

बताया जा रहा है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी किआ के केआई1 प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जो इसकी मजबूती और दक्षता सुनिश्चित करेगा। ग्राहकों को इसमें दो बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं- 42केडब्ल्यूएच और 49केडब्ल्यूएच। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत 15 लाख से 20 लाख रुपए के बीच हो सकती है, जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाएगी। कंपनी का दावा है कि सिरोस ईवी एक बार फुल चार्ज होने पर प्रभावशाली लगभग 450 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज प्रदान कर सकती है, जो दैनिक उपयोग और लंबी यात्राओं दोनों के लिए पर्याप्त होगी।

पेट्रोल-डीजल फिर 10 रुपए तक महंगा होने की आशंका

- कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का परिणाम

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान के चलते आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 10-10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। हाल ही में सरकार द्वारा की गई 3-3 रुपये की बढ़ोतरी भी घाटे की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुई है, जिससे आम जनता पर महंगाई का एक और बड़ा बोझ पड़ने की आशंका है। यह स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का सीधा परिणाम है। इसी साल फरवरी के महीने में इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इस ऊंची कीमत के कारण तेल कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कीमतों में हालिया वृद्धि से पहले, इन कंपनियों को रोजाना लगभग 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था। अगर यही स्थिति बनी रही, तो चालू तिमाही में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 57000 करोड़ रुपये तक का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। हालांकि, तेल कंपनियों का घाटा इतना बड़ा है कि यह कदम भी नाकाफी साबित हुआ है। यही वजह है कि अब बड़े इजाफे की आशंका गहरा गई है। यह भी गौरतलब है कि सरकारी कंपनियों से बहुत पहले ही शेल इंडिया और नायरा एनर्जी जैसी निजी कंपनियों ने अपने ग्राहकों के लिए पिछले महीने ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए थे।

भारत में बनेगा पहला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर

- कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर कमाए, वित्तीय नतीजों में भी दिखी तेजी

मुंबई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब दुनिया भर की कंपनियों के कामकाज का मुख्य आधार और बुनियादी ढांचा बन चुका है। अपनी 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में उन्होंने बताया कि,हु अब केवल एक तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह निवेश से लेकर आपूर्ति श्रृंखला, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सेवा तक, हर पहलू को पूरी तरह से बदल देगा। टीसीएस ने अपने ह्यूमन प्लस आई ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए एआई सेवाओं से सालाना 2.3 अरब डॉलर की कमाई की है। कंपनी अब भारत में पहला उच्च-घनत्व वाला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में है, जबकि उसके वित्तीय नतीजे भी शानदार रहे हैं। चंद्रशेखरन के अनुसार, कंपनियां अब एआई का केवल प्रयोग नहीं कर रही हैं, बल्कि इसे सीधे अपने मुख्य और सबसे जरूरी कामकाज में शामिल कर रही हैं। एआई के अलावा, क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा जैसी नई तकनीक वाली सेवाओं से टीसीएस ने 11.5 अरब डॉलर का राजस्व हासिल किया है। भविष्य की रणनीति के तहत टीसीएस एक सुरक्षित और विश्वसनीय एआई ढांचा तैयार करने पर जोर दे रही है।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी भारतीय शेयर बाजार की दिशा

- विदेशी बिकवाली, कमजोर रुपया और बढ़ती महंगाई से निवेशक चिंतित

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अधिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है। इस बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 109 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, इस सप्ताह चीन, अमेरिका और भारत से आने वाले आर्थिक आंकड़े तथा फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक का ब्योरा भी बाजार की दिशा तय करने में अहम होगा।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

सोमवार, 18 मई 2026

भगवान बिरसा मुण्डा एवं टंटया मामा स्वरोजगार योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक एवं 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान 5 वर्ष तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर त्रैमासिक दिया जायेगा एवं गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सतना प्रदेश में शासकीय कार्यप्रणाली में नवाचार, सुशासन और जनसेवा के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा -मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार॰ (नवाचार हेतु) वर्ष 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने जानकारी दी कि यह पुरस्कार मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों, विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा उनके अधीन कार्यरत निगम, मंडल, बोर्ड एवं संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारियों को उनके नवाचार आधारित उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रदान किये जायेंगे।

डाक विभाग में डायरेक्ट एजेंट की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत संचालित इंडिया पोस्ट की प्रतिष्ठित बीमा योजनाओं पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) एवं रूरल पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (आरपीएलआई) के व्यवसाय विस्तार के लिए डाक संभाग सतना में प्रत्यक्ष अभिकर्ता (डायरेक्ट एजेंट) की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अधीक्षक डाकघर डाक संभाग सतना ने बताया कि चयन हेतु साक्षात्कार 29 मई 2026 को प्रातः 11 बजे से कार्यालय अधीक्षक डाकघर डाक संभाग सतना में आयोजित किया जाएगा।

महिला कृषक पाठशाला में जैविक खेती एवं आजीविका संवर्धन का प्रशिक्षण

सीधी कृषि वर्ष 2026-27 के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी के मार्गदर्शन में ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली द्वारा एकीकृत कृषि संकुल योजना अंतर्गत बैगा बहुल ग्राम बोदरी टोला में महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महिला किसानों को जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जैविक कीटनाशक ब्रह्मास्त्र एवं नीमास्त्र निर्माण की विधि, जैविक उत्पादन का महत्व तथा सब्जी उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई।

तालाब संरक्षण के लिए युवाओं का अनुकरणीय श्रमदान, पथरौला में जल संरक्षण बना जनअभियान

सीधी जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत विकासखंड मझौली के ग्राम पथरौला में जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर प्रेरणादायक पहल देखने को मिल रही है। मां कालिका मंदिर के निकट स्थित तालाब की स्वच्छता एवं संरक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

जन अभियान परिषद, जिला सीधी के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत यथार्थ लाल सेवा समिति दादर के नेतृत्व में युवाओं द्वारा तालाब की साफ-सफाई, गाद एवं कचरा हटाने सहित जल स्रोतों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का कार्य किया जा रहा है।

स्वदेशी एक वस्तु नहीं एक विचार हैए वैश्विक अस्थिरता में भारत बनेगा मजबूत : रीती पाठक

बिचार वर्ग एवं परिचय सम्मेलन आयोजितए हर घर स्वादेशी का दिया नारा

सीधी। एक दौर था जब भारत को सोने की चिडि?ा के नाम से जाना जाता थाए जिसकी एक मुख्य वजह स्वदेशी उत्पादों पर पूर्ण निर्भरता एवम विदेशी वस्तुओं से दूरी थीए वहीं वर्तमान में इसके विपरीत हर गॉवए हर घर तक सुबह से रात तक उपयोग में आने वाले उत्पाद कहीं न कहीं विदेशी देखने को मिल रहे हैं और भारत का पैसा विदेशों तक पहुँच रहा है। पूर्व काल की तुलना में हम सब आर्थिक रूप से दिनो दिन कमजोर साबित हो रहे हैं साथ ही अपनी जरूरतों की पूर्ति हेतु विदेशी उत्पादों पर निर्भर हो रहें है। प्रमोद कुमार मिश्र अधिवक्ता संयोजक स्वदेशी जागरण मंच सीधी ने जिले वासियों से स्वादेशी वस्तुओं के उपयोग एवम विदेशी वस्तुओं के वहिष्कार पर जोर दिया है। श्री मिश्र संयोजक स्वदेशी जागरण मंच ने बताया कि इन दिनों स्वदेशी वस्तुओं को बाजार में बढ़ावा देने का मुख्य कारण देश की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना है। उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु विगत दिवस जिला मुख्यालय में बृहद रूप से कार्यकर्ता परिचय सम्मेलन तथा सभी पदाधिकारीए कार्यकर्ता एवम आम उपभोक्ताओं को देश के प्रधानमंत्री का संदेश स्वादेशी अपनाओ एवम जागरूक बनो दिया गया। उपभोक्ता जब बाजार जाये तो उसे आसानी से ज्ञात हो सके की उसके द्वारा क्रय की गयी सामग्री का पैसा देश में रहेगा या फिर विदेश जायेगा। मंच द्वारा मौजूदजनो को उक्त सूची अधिक से अधिक प्रसारित करने का दायित्व सौंपा गया। इसके साथ ही उक्त जन जागरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँची सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक द्वारा देश भक्ती से ओत प्रोत ओजस्वी एवम सारगर्भित भाषण के उपरांत सभी को शपथ दिलाई गयी कि हम जब भी बाजार जायेगें स्वादेशी उत्पाद ही लायेगें।

जिला बिचार वर्ग एवं परिचय सम्मेलन के आयोजन में मुख्य अतिथि श्रीमती रीती पाठक विधायक सीधी कार्यक्रम के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियानए मुख्य वक्ता अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता जिला विचार प्रमुख स्वदेशी जागरण मंचए डॉ श्रवण शुक्ला सहसंयोजक स्वदेशी जागरण मंचए ईजीीएअशोक मिश्रा स्वाव्लंबी भारत अभियान एवं अधिवक्ता श्रीमती निशा मिश्रा ने स्वदेशीए स्वावलंबनए सुरक्षाए स्वरोजगार विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला।

27 मई से राष्ट्रीय लोक संगीत महोत्सव का आयोजन कई प्रदेशों के लोक कलाकार देंगे प्रस्तुति

रामपुर नैकिन के अगहार में होगा भव्य आयोजन आयोजन

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत हत्था अगहार में तीन दिवसीय राष्ट्रीय लोकरंग महोत्सव का आयोजन उत्थान सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति सीधी व मान्या लोक संगीत अकादमी सीधी के सौजन्य से होने जा रहा है। जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार एवं विंध्य क्षेत्र के चर्चित लोक कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। उक्त महोत्सव के आयोजक अनिल शुक्ला अगहार ने बताया कि उत्थान सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति सीधी के द्वारा वर्ष 2015 से निरंतर 2022 तक ग्राम अगहार में बाणभट्ट राष्ट्रीय लोक संगीत एवं नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। किंतु विगत कुछ वर्षों से ग्राम अगहार में आयोजन न होने से क्षेत्र की आम जनमानस की लगातार मांग की जाती रही है। जिसको देखते हुए हम सभी लोगों ने समिति से चर्चा कर पुनरू राष्ट्रीय स्तर का आयोजन कराने जा रहे हैं। उक्त आयोजन में केडी सिंह पूर्व जनपद अध्यक्ष जनपद पंचायत रामपुर नैकिनए आशुतोष शुक्ला संचालक शकुंतला पैलेश अगहार ऋषिराज मिश्रा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत रामपुर नैकिन सुनील सिंह सीएस वरिष्ट संविदाकार कंधवार ओमप्रकाश शुक्ला संचालक आर्यन मोटर्स रामपुर नैकिन रोहित शुक्ला चार्टर्ड एकाउंटेंट अगहारए संजय तिवारी संविदाकार डिठौराए विनोद त्रिपाठी लेहेचुआए शिवानंद पाण्डेय संविदाकार गड़हराए प्रशांत सिंह बघवार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता हिमांशु ट्रेडर्स रैदुअरिया प्यारेलाल अगहार पंकज गुप्ता गनपत गुप्ता रामा गुप्ता रैदुअरिया रमेश गुप्ता गोविंद प्रसाद गुप्ता कपुरी कोठार सुनील गुप्ता भैंसरहा का विशेष सहयोग मिल रहा है। राष्ट्रीय लोक संगीत महोत्सव बघेली लोकगीतों की प्रस्तुति राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय जिले के ख्यातिप्राप्त लोक गायक नरेन्द्र बहादुर सिंहए कपिल तिवारीए लोक गायिका विद्या द्विवेदीए सृष्टि तिवारी की प्रस्तुति होगी।

श्रीकृष्ण ने पूतना का विषैला दुग्धपान कर दिया मोक्ष

मैहर। संगीतमई श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन संगीता सुशील बाजपेयी के आयोजकत्व में किया जा रहा है। पंचम दिवस की कथा में आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज ने बताया कि श्रीकृष्ण के जन्म की खबर से कंस काफी भयभीत हो गया तब उसने पूतना को भगवान का वध करने के लिए गोकुल भेजा। कथा में बताया कि पूतना राजा बलि की बेटी रत्नमाला थी जो देखने में अति सुंदर थी किंतु उसका मन विषैला था। कंस के भेजने पर पूतना श्रीकृष्ण को दुग्धपान के जरिए मार डालना चाहती थी किंतु भगवान ने उसका दुग्धपान कर उसे मोक्ष प्रदान किया। भगवान श्री कृष्ण के गौ भक्ति पर महाराज श्री ने कहा कि हिन्दू धर्म में गाय को देवी माँ का दर्जा दिया जाता है ऐसी मान्यता है की गाय में 33 कोटि देवी देवताओं का निवास होता है। इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गाय की सेवा करनी चाहिए। गाय सेवा करने वाला व्यक्ति पुण्य

नीरज गर्ग लायन्स क्लब मैहर के अध्यक्ष बने

मैहर। सरना पैलेस में आयोजित लायन्स क्लब मैहर की सामान्य बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई टीम को जिम्मेदारी सौंपी। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष नीरज गर्ग, सचिव देवेंद्र अग्रवाल एवं बीएल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

नवनिर्वाचित पीएसटी टीम का सदस्यों ने जोरदार स्वागत करते हुए पुष्पगुच्छ भेंटकर शुभकामनाएं दी गयी। बैठक में विश्वास जताया गया कि नई कार्यकारिणी सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकारों के कार्यों को नई दिशा एवं गति प्रदान करेगी।

अनुसूचित जाति के व्यक्ति स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्व-रोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति सतना ने बताया कि जिले के शिक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे बेरोजगार युवक एवं युवतियों के स्व-रोजगार के लिए म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा संत रविदास स्वरोजगार योजना प्रारंभ की गई है।

जिसमें आवेदक को स्वरोजगार परियोजनाओं के लिये एक लाख रूपये से 50 लाख रूपये तक की उद्योग परियोजनाएं जैसे एग्रो प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। इसी प्रकार एक लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का खुदरा व्यवसाय जैसे ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत, किराना व्यवसाय, कपड़ा व्यवसाय की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

यह वित्तीय सहायता 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दी जायेगी एवं म.प्र. शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी।

इस योजना अंतर्गत आवेदन करने के लिये आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष तक होना आवश्यक है तथा शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो। उसे जिले का निवासी होना चाहिए एवं जाति, निवास प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी होना चाहिये। हितग्राही योजनांतर्गत ऍेउँजण्ठचवदसपदमण्हवअण्पद पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

भाजपा महापुरुषों को संकीर्ण चश्मे से देखती है :अजय सिंह

आरजीपीवी से राजीव गांधी का नाम हटाना दुर्भावनापूर्ण

सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का विभाजन करने और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का नाम हटाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इसे पूरी तरह राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कदम बताया है।

अजय सिंह ने कहा कि विभाजन का असली मकसद विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए नहींए बल्कि केवल पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम मिटाने का है। इसीलिए भाजपा सरकार राजीव गांधी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रपंच रच रही है।

सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में देश की तरक्की के लिए कंप्यूटर युग की शुरुआत की थी। उन्होंने डिजिटल इंडिया की मजबूत नींव रखीए जो देश के विकास में एक अविस्मरणीय योगदान है। इसी ऐतिहासिक तकनीकी योगदान के कारण ही विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा गया था। किसी भी महापुरुष को केवल उनके देशहित में किए गए कार्यों और योगदान के लिए जाना जाता है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि भाजपा सरकार हर राष्ट्रीय नायक को अपनी पार्टी के संकीर्ण चश्मे से देखती है। अजय सिंह ने कहा कि इतिहास और महापुरुषों के योगदान को इस तरह की राजनीतिक दुर्भावना से मिटाना जनभावनाओं का अनादर है। सरकार की इस विभाजनकारी नीति को जनता अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने

खुले में चिकन बिक्री पर प्रशासन सख्त, 1 जून से मीट मंडी में ही होगी बिक्री

सीधी शहर में स्वच्छता और जनस्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शहर क्षेत्र का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था, सार्वजनिक स्वास्थ्य और नगरीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चिकान मोहल्ला पहुंचकर खुले में चिकन बिक्री की स्थिति का अवलोकन किया। जनस्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए खुले में चिकन बिक्री करने वाले विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि 1 जून से वार्ड क्रमांक 6 स्थित निर्धारित मीट मंडी में ही चिकन बिक्री की जाएगी। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि निर्धारित स्थान के अलावा खुले में बिक्री करने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शहर में स्वच्छता बनाए रखना और नागरिकों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। खुले में मांस बिक्री से स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए इस व्यवस्था को व्यवस्थित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सुखा नाला के किनारे किए गए अतिक्रमण का भी निरीक्षण किया गया।

विस्फोटक सामग्री के उपयोग पर कड़ी निगरानी, नियम विरुद्ध गतिविधियों पर होगी सख्त कार्रवाई

पत्थर खदानों और क्रशरों में ब्लास्टिंग को लेकर प्रशासन सतर्क, औचक निरीक्षण तेज

सीधी कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में संचालित पत्थर खदानों और क्रशर संयंत्रों में ब्लास्टिंग के लिए उपयोग होने वाली विस्फोटक सामग्री की निगरानी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में खनि अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला ने खनि निरीक्षक शिशिर यादव के साथ गोपदबनास तहसील अंतर्गत ग्राम बहेरा पश्चिम, अमहवा और उपनी में संचालित स्वीकृत खदानों एवं क्रशर क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित खदान एवं क्रशर क्षेत्रों में विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई। साथ ही खदान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी प्रकार की ब्लास्टिंग गतिविधि केवल सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करने के बाद ही नियमों के अनुरूप की जाए। प्रशासन ने साफकिया है कि सुरक्षा मानकों और निर्धारित नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जिले में संचालित सभी स्वीकृत खदानों एवं क्रशर संयंत्रों का आगामी दिनों में औचक निरीक्षण किया जाएगा। यदि कहीं भी नियमों के विपरीत गतिविधियां पाई जाती हैं, तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसी कड़ी में 18 मई 2026, सोमवार को दोपहर 3 बजे चुरहट एवं रामपुर नैकिन क्षेत्र के खदान संचालकों के साथ उपखंड मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में विस्फोटक सामग्री के सुरक्षित रखरखाव, ब्लास्टिंग प्रक्रिया की समीक्षा और औचक जांच की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

विचारधारा के प्रति निष्ठा हमारे संगठन की पहचान :जनार्दन मिश्रा

रीवा 17 मई भारतीय जनता पार्टी रीवा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग समदड़िया गोल्ड रीवा मेंसंपन्न हुआ समापन सत्र को संबोधित करते हुए रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि विचारधारा के प्रति निष्ठा हमारे संगठन की पहचान है। पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सतत चलने वाली प्रक्रिया है। अभ्यास वर्ग से हमारे कार्य व्यवहार और गुण में व्यापक सुधार होता है प्रशिक्षण वर्ग में जिस तरह सेअनुशासन और व्यवस्थाएं रखी गई वह व्यक्तित्व निर्माणके भाव को जागृत करने का माध्यम बनती हैंसंगठन की सफलता से कार्यकर्ताओं का सम्मान ब?ता है। सतत संपर्क और संवाद के साथ संगठन के कार्यों के लिए समय देना हम सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है।

प्रवासी कार्यकर्ता बनकर हमें संगठन को और ज्यादा गतिमान करने की लिए काम करना चाहिए दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में 12 सत्र अलग.अलग विषयों पर रखे गए सत्र के माध्यम से कार्यकर्ताओं के समक्ष विषय से संबंधित बातें विस्तार से बताई गई प्रबोधन के दौरान विषय की बारीकियां भी बताई गई प्रशिक्षण में पार्टी की वैचारिक दृढ़ता पर मार्गदर्शन किया गया रविवार को सुबह प्रशिक्षण में शामिल सभी नेता और कार्यकर्ता सुबह उठकर योग में शामिल हुए और संघ की शाखा में भाग लिया प्रशिक्षण वर्ग के समापनसत्र के पश्चात ऑनलाइन परीक्षा भी ली गई जो संगठन एप के माध्यम से आयोजित की गई प्रशिक्षण आर्थियों को ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए।

मीडिया सूचना से परसेप्शन निर्माण का प्रमुख माध्यम : योगेन्द्र शुक्ला

मीडिया विभाग के प्रदेश सदस्य योगेंद्र शुक्ला ने मीडिया से संबंधित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय सूचना क्रांति का युग है प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल मीडिया ने समय और दूरी के पैमाने को समाप्त कर दिया है हमें इसका सदुपयोग संगठन और सरकार की सकारात्मक छवि को और सुदृढ़ बनाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

वर्तमान समय में मीडिया केवल सूचना का साधन नहीं रह गया हैए बल्कि यह जनता के मन में धारणा निर्माण का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बन चुका है। हमें सकारात्मक संवाद कर मीडिया के माध्यम से संगठन और सरकार की उपलब्धियां ज्यादा से ज्यादा जनता तक पहुंचें इसकी चिंता करनी होगी। समर्पणए सटीक जानकारी और प्रभावी प्रस्तुतिकरण के साथ अपनी बात रखना चाहिए।

मीडिया प्रतिनिधियों के लिए जिला चिकित्सालय में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय के न्यू एमसी विंग में मीडिया प्रतिनिधियों के लिए विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। समाज के जागरूक प्रहरी माने जाने वाले मीडिया कर्मियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस शिविर में व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में मीडिया प्रतिनिधियों की ब्लड प्रेशर (बीपी), शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ईसीजी जांच की गई। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस पहल का उद्देश्य मीडिया कर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता दर्शाना और उनके बेहतर स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस. बी. खरे, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अविनाश जॉन धार्वे, डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. आशीष भारती, डॉ. अतुल पाण्डे एवं डॉ. अनुराग पॉल उपस्थित रहे। शिविर की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में लैब टेक्नीशियन संजय पाण्डेय, पुष्पराज त्रिपाठी, अनुराग पयासी तथा मेल नर्सिंग ऑफिसर संजय रावत की सक्रिय भूमिका रही।

स्वास्थ्य शिविर में मीडिया प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी और प्रेरणादायक प्रयास बताया।

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।
- सुभाष चंद्र बोस

महंगाई, बेरोजगारी और पेपरलीक से जनता नाराज

भारत इस समय सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत चुनौतियों के ऐसे दौर से गुजर रहा है। जहां बेरोजगारी, महंगाई और पेपरलीक मामलों से युवाओं की बढ़ती निराशा गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हाल ही में सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी जिसमें बेरोजगारों को काकरोच जैसे शब्द से तुलना की गई उसको लेकर देशभर में मुख्य न्यायाधीश के बयान को लेकर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया, पत्रकारिता और सूचना के अधिकार से जुड़े युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस बयान को संवेदनहीन बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजनीतिक दल सामाजिक कार्यकर्ता एवं वकीलों ने भी इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह अलग बात है कि सीजेआई ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दे दिया है। न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय स्तंभ है। उसके किसी भी वक्तव्य का समाज में व्यापक प्रभाव होता है। आज देश में करोड़ों की आबादी वाला बड़ा युवा वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार और नौकरी के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं की परेशानियों को बढ़ा दिया है। ऐसे माहौल में युवा अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाते हैं। उन्हें उपेक्षा या कठोर टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है। उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं होता है। स्वाभाविक रूप से इससे असंतोष बढ़ता है।

इतिहास गवाह है, जब किसी भी राष्ट्र में सामाजिक असमानता, आर्थिक संकट और संस्थागत असंवेदनशीलता बढ़ती है, ऐसी स्थिति में लोग अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष का वह सभी रास्ता चुन लेते हैं जो आमतौर पर आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में ही बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। अमेरिकन सिविल वार भी अमेरिका का केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था। अमेरिका में उस समय के आर्थिक और सामाजिक असंतुलन का परिणाम था। भारत की परिस्थितियों में जिस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उसकी सीधी तुलना अमेरिका के गृहयुद्ध से करना उचित नहीं है। लेकिन जिस तरह के हालात बन गए हैं उससे अवश्य हमें समझना चाहिए। लगातार बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आधुनिक बाजारवाद, महंगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा, महंगे खाद्य पदार्थों और नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक के कारण जिस तरह की सामाजिक निराशा देखने को मिल रही है, वह किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरे का सबसे बड़ा संकेत है।

न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना भी है। आम नागरिक, विशेषकर गरीब और बेरोजगार युवा, न्यायपालिका को अंतिम उम्मीद के रूप में देखते हैं। इसलिए न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के शब्दों में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी का होना अत्यंत आवश्यक है। सरकार, न्यायपालिका और समाज—तीनों को मिलकर यह समझना होगा, लोकतंत्र केवल आर्थिक विकास से मजबूत नहीं होता है। बल्कि नागरिकों के सम्मान, समान अवसर और न्याय और नैतिकता से मजबूत होता है। युवाओं को रोजगार, शिक्षा और न्याय की उम्मीद होगी, तभी देश में सामाजिक स्थिरता और विकास की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। भारत आज सबसे बड़ी युवा आबादी वाला पढ़ा लिखे युवाओं का देश है। जिस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं यह सामान्य नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत को सोच समझकर बड़ी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के साथ इस मुश्किल स्थिति से बाहर निकलना होगा। अन्यथा इसके दुष्परिणाम किसी भी रूप में सामने आ सकते है।

ड्रैगन लैंड में ट्रंप-दिल में तेहरान-ताइवान पर कोहराम- महाशक्ति की महापंचायत

वैश्विक स्तरपर 13 से 15 मई 2026 तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन यात्रा केवल एक औपचारिक राजकीय दौरा नहीं,बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति, डगमगाती अर्थव्यवस्था,पश्चिम एशिया के युद्ध, ताइवान संकट और महाशक्तियों की नई रणनीतिक शतरंज का ऐसा मंच बन गई, जिसपर पूरी दुनियाँ की निगाहें टिक गई। लगभग नौ वर्षों बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह बड़ी आधिकारिक चीन यात्रा ऐसे समय में हुई,जब वैश्विक व्यवस्था कई मोर्चों पर अस्थिरता से गुजर रही है।एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान- अमेरिका तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट विश्व अर्थव्यवस्था की धड़कनें बढ़ा रहा है,तो दूसरी ओर हिंद- प्रशांत क्षेत्र में ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन आमने- सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। बीजिंग में हुई ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि दुनियाँ अब केवल सैन्य शक्ति से नहीं,बल्कि आर्थिक गठबंधनों, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और सामरिक दबावों से संचालित होने वाली नई विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र इस शिखर वार्ता को मानता हूं कि यह एकऐसी महाशक्तियों की महापंचायत हैं,जहां बाहर मुस्कुराहटें थी लेकिन भीतर तेहरान और ताइवान को लेकर गहरा तनाव मौजूद था। साथियों, ट्रंप का यह दौरा ऐसे समय पर हुआ, जब अमेरिका और चीन के संबंध पिछले कई वर्षों से व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिबंधों,चिप उद्योग की प्रतिस्पर्धा दक्षिण चीन सागर विवाद और ताइवान प्रश्न को लेकर लगातार तनावपूर्ण बने हुए है।हालांकि सार्वजनिक मंचों पर दोनों देशों ने संवाद और स्थिरता की भाषा अपनाई, लेकिन वास्तविकता यह रही कि दोनों महाशक्तियाँ अपनी - अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ वार्ता टेबल पर पहुँची थीं।

कैंसर बीमारी-भारत की चुनौतियाँ और नीति सुधार की अनिवार्यता

वैश्विक स्तरपर कैंसर आज केवल एक चिकित्सकीय बीमारी नहीं रह गया है,बल्कि यह वैश्विक स्तरपर मानवसभ्यता के लिए एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक औरनीतिगत चुनौती बन चुका है।दुनियाँ के लगभग हर देश में कैंसर मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल है और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इसे नॉन- कम्युनिकेबल डिजीज के सबसे खतरनाक रूपों में गिनती हैं। कैंसर की भयावहता इस तथ्य से समझी जा सकती है कि यह मानवीय शरीर पर विभिन्न स्वरूपों में हमला करता है कभी फेफड़ों के रूप में, कभी स्तन, सर्वाइकल, प्रोस्टेट, लिवर या रक्त कैंसर के रूप में,और कई बार तब तक पहचान में नहीं आता जब तक यह जीवन के लिए गंभीर खतरा यानें स्टेज फोर या अंतिम समय न बन जाए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आधुनिक जीवनशैली, पर्यावरणीय प्रदूषण, खानपान में बदलाव, तंबाकू और शराब का बढ़ता सेवन, तनाव और शारीरिक निष्क्रियता ने कैंसर को एक ऐसी बीमारी बना दिया है जो अब केवल वृद्धावस्था तक सीमित नहीं रही, बल्कि कार्यशील आयु वर्ग को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है।वैश्विक रिपोर्टों और स्वास्थ्य अध्ययनों के अनुसार, 40 से 50 वर्ष की आयु के लोगों में कैंसर के मामलों में आने वाले वर्षों में तीव्र वृद्धि की आशंका जताई जा रही है।2030 तक यह आयु वर्गकैंसर के सबसे बड़े जोखिम समूहों में शामिल हो सकता है।यह स्थिति इसलिए और भी चिंताजनक है क्योंकि यही वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था,सामाजिक संरचना और पारिवारिकव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यदि इस आयु वर्ग में बड़ी संख्या में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, तो इसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि उत्पादकता,रोजगार गरीबी, सामाजिक असमानता और मानसिक स्वास्थ्य तक गहराई से महसूस किया जाएगा।यही कारण है कि आज कैंसर से मुकाबला केवल अस्पतालों और डॉक्टरों की जिम्मेदारी नहीं रह गया है, बल्कि यह सार्वजनिक नीति,शासन व्यवस्था और सामाजिक व्यवहार में मूलभूत परिवर्तन की मांग करता है।

साथियों बात अगर हम कैंसर से प्रतिरक्षात्मक उपायों की करें तो जीवनशैली परिवर्तन, कैंसर रोकथाम की पहली सीढ़ी है,कैंसर के बढ़ते मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल इलाज पर आधारित रणनीति पर्याप्त नहीं है। रोकथाम,समय पर जांच और प्रारंभिक निदान ही इस बीमारी से लड़ने के सबसे प्रभावी हथियार हैं। जीवनशैली में बदलाव जैसे संतुलित आहार, नियमित व्यायाम,तंबाकू और शराब से दूरी, मानसिक तनाव को नियंत्रित करना और प्रदूषण से बचाव,कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं। विकसित देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं निवारक उपायों पर केंद्रित है।स्कूल स्तर से लेकर कार्यस्थलों तक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, ताकि लोग बीमारी के शुरुआती संकेतों को समझ सकें और समय रहते जांच करा सकें। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्वास्थ्य संसाधनों पर पहले से ही भारी दबाव है, जीवनशैली आधारित रोकथाम और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

साथियों बात अगर हम भारत में कैंसर: बढ़ता संकट और असमानताएं इसको समझने की करें तो,भारत में कैंसर की स्थिति वैश्विक रुझानों से अलग नहीं है,बल्कि कई मामलों में यह और अधिक गंभीर है। जनसंख्या का विशाल आकार, सामाजिक- आर्थिक असमानताएँ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर, और जागरूकता की कमी,ये सभी कारक कैंसर के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं। शहरी क्षेत्रों में जहां निजी अस्पताल और उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी कई बार बुनियादी संसाधनों से वंचित रहते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि ग्रामीण मरीजों में कैंसर का पता अक्सर बहुत देर से चलता है, जब इलाज की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। इस असमानता का सीधा असर मृत्यु दर पर पड़ता है और यही कारण है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों का अनुपात कई विकसित देशों की तुलना में अधिक है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की हस्तक्षेपकारी भूमिका, एक ऐतिहासिक मोड़ इसको समझने की करें तो,भारत में कैंसर प्रबंधन की खामियों को उजागर करने में न्यायपालिका की भूमिका हाल के वर्षों में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा कैंसर को देशव्यापी अधिसूचित बीमारी घोषित करने की मांग से जुड़ी जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह याचिका एम्स के सेवानिवृत्त विशेषज्ञ डॉ. अनुराग श्रीवास्तव द्वारा दायर की गई, जिसमें देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में कैंसर प्रबंधन से जुड़ी गंभीर कमियों की ओर अदालत का ध्यान आकर्षित किया गया। पिछले वर्ष 12 दिसंबर 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को औपचारिक नोटिस जारी कियाथा जो यह दर्शाता है कि अब इस मुद्दे को केवल नीति- स्तर की चर्चा तक सीमित नहीं रखा जा सकता।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को केवल एक कानूनी प्रश्न के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में देखा है। अदालत ने स्पष्ट रूप से यह संकेत दिया है कि यदि सरकारें समय रहते ठोस कदम नहीं उठातीं, तो इसका खामियाजा लाखों नागरिकों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ सकता है।न्यायपालिका का यह रुख भारत में स्वास्थ्य अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा सकता है।

साथियों बात अगर हम कैंसर को अधिसूचित बीमारी का दर्जा क्यों है यह इतना जरूरी? इसको समझने की करें की करें तो किसी बीमारी को अधिसूचित घोषित करने का अर्थ यह होता है कि उसके मामलों की रिपोर्टिंग कानूनी रूप से अनिवार्य हो जाती है।अस्पतालों प्रयोगशालाओं और डॉक्टरों को ऐसे मामलों की जानकारी सरकार को देनी होती है,जिससे बीमारी के प्रसार,भौगोलिक वितरण और जोखिम कारकों का सटीक आकलन किया जा सके।भारत में टीबी, मलेरिया, कोविड-19 जैसी कई बीमारियां अधिसूचित हैं, जिसके कारण इनके मामलों पर निगरानी और नियंत्रण अपेक्षाकृत बेहतर ढंग से किया जा सका।

चुनौतियों के बीच चमकती उम्मीद

पूरी दुनिया में एचआईवी एक खतरनाक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है। एचआईवी मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उपचार नहीं किए जाने पर एड्स में बदल सकता है। एड्स पहली बार 1981 में अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था और देखते ही देखते यह एक विश्वव्यापी महामारी बन गया। एड्स ऐसी स्थिति होती है, जो संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को बेहद कमजोर कर देती है। ऐसे व्यक्ति को तपेदिक, विभिन्न संक्रमण और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में इस समय चार करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2021 में साढ़े छह लाख लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और 15 लाख लोगों को एचआईवी हुआ। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एचआईवी दुनियाभर में 4.01 करोड़ लोगों की मौत का कारण बन चुका है और अभी भी सभी देशों में एचआईवी संचरण देखा जा रहा है तथा कुछ देश तो नए मामलों में वृद्धि भी रिपोर्ट कर रहे हैं। यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी के लिए टीका विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के लिए 18 मई को 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता है, जिसे 'एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस' भी कहा जाता है। वास्तव में यह उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के काम का सम्मान करने का अवसर है, जो लंबे समय से एचआईवी की रोकथाम के लिए टीका बनाने के लिए प्रयासरत हैं।पहली बार 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भाषण का सम्मान करते हुए 18 मई 1998 को मनाया गया था। दरअसल बिल क्लिंटन ने 18 मई 1997 को मैरीलैंड में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में इस घातक बीमारी को रोकने और उन्मूलन में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए एचआईवी का एक ऐसा टीका विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था कि एक प्रभावी एचआईवी टीका ही एचआईवी के प्रसार को नियंत्रित करने और उन्मूलन में मदद करेगा और एचआईवी से लड़ने की लोगों की क्षमता में सुधार करेगा। तभी से वैश्विक स्तर पर कई समूहों द्वारा लोगों को एड्स निवारक उपाय करने, एड्स संबंधी शिक्षा का प्रसार करने, शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने तथा इस कार्य में आम आदमी की पूर्ण भागीदारी का आश्वासन देने के लिए विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया जाता है।विभिन्न बीमारियों के उपचार और रोकथाम के लिए टीके मानवता की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक हैं, जो मानव शरीर को वायरस अथवा बैक्टीरिया के कमजोर या निष्क्रिय रूप में उजागर करके अपना काम करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी विकसित करने के लिए उत्तेजित करते हैं ताकि शरीर भविष्य के संक्रमण से भी लड़ सके। इसीलिए एक सफल एचआईवी टीका बनाने के लिए भी दुनियाभर के शोधकर्ता प्रयासरत हैं, जिससे वायरस के प्रसार को रोकते हुए लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिल सके। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में एड्स के टीके की खोज की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन एक कारगर सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन की राह में अभी भी काफी चुनौतियां बरकरार हैं।

एचआईवी का वर्तमान में कोई सुरक्षित इलाज नहीं है, एक बार जब वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है तो इसे हटाया नहीं जा सकता है लेकिन हाल के वर्षों में जीवन-रक्षक एंटीरेट्रोवायरल उपचारों के आगमन ने लाइलाज मानी जाने वाली एड्स की बीमारी को लेकर स्थिति को काफी बदल दिया है और इन उपचार पद्धतियों से इलाज कराकर लोग अब लंबा तथा स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) प्रतिरक्षा प्रणाली को होने वाले नुकसान को रोक सकती है अथवा उलट सकती है।

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था। वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, दोइज, सोमवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, शुभ योगे, वालव करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 58/60 सर्वार्थ सिद्ध योग, चंद्र दर्शन सर्वार्थ सिद्ध योग, 21/35 औषधि सेवन प्रा. बीजबमन तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शिक्षक, कमीशन एजेन्ट, बैंक कर्मचारी, लिपिक, क्लर्क, अकाउन्टेंट, अकाउंट ऑफिसर, बैंक प्रबंधक तथा उत्तम कार्यकर्ता, व्यवसायी होवेगा।

मेष राशि :- कार्य बाधा, स्वभाव में उद्विघ्नता, दुःख अवश्य ही बनेगा, ध्यान दें।
वृष राशि :- आरोप से बचें, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति अवश्य बनेगी।
मिथुन राशि :- योजनाऐं पूर्ण होंगी, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।
कर्क राशि :- मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्यगति में सुधार होवे, चिन्ताऐं कम होंगी।
सिंह राशि :- सामर्थ्य और धन अस्त-व्यस्त हो, सतर्कता से कार्य अवश्य ही निपटा ले।
कन्या राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक हो, कार्यगति में सुधार होवे, चिन्ता कम हो।
तुला राशि :- मान-प्रतिष्ठा के साधन बनेंगे, स्त्री से सुख-शांति अवश्य ही बन जायेगी।
वृश्चिक राशि :- अग्नि-चोटादि का भय, व्यर्थ भ्रमण, धन व्यय होगा, रुके कार्य बनेंगे।
धनु राशि :- मानसिक क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, क्लेश तथा भय बना ही रहेगा।
मकर राशि :- विवादग्रस्त होने से बचें, तनाव व क्लेश, मानसिक अशांति बनेगी।
कुंभ राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा।
मीन राशि :- भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति, समय उल्लास से बीते तथा मनोवृत्ति उत्तम रहेगी।

सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा में संग्रहालयों की नई चुनौतियां

संग्रहालयों के महत्व, इनके इतिहास, इनकी संस्कृति और विरासत के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (इंटरनेशनल म्यूजियम डे) मनाया जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं का भंडार ही नहीं होते हैं, बल्कि ये शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक संवाद के महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों के संरक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा, शोध, सामाजिक संवाद और मानवता को जोड़ने वाले सशक्त माध्यम भी है। तेजी से बदलती दुनिया में संग्रहालय हमारी पहचान, संस्कृति और ज्ञान को सुरक्षित रखने का अमूल्य कार्य कर रहे हैं। पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1977 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम्स द्वारा की गई थी। संग्रहालय किसी भी देश की असली सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर होते हैं, जो हमें तत्कालीन इतिहास, उस समय विशेष की कला और सभ्यता का परिचय देते हैं अथवा उससे रूबरू करवाते हैं। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद, सहयोग और शांति को बढ़ावा देने तथा नई (युवा) पीढ़ी को अपने अतीत(इतिहास) से परिचित कराना तथा ज्ञान-विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है। गौरतलब है कि पिछले साल इस दिवस की थीम (2025 में)- तेजी से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य। रखी गई थी। वास्तव में इस थीम का उद्देश्य बदलती तकनीक, समाज और पर्यावरणीय परिस्थितियों में संग्रहालयों की भूमिका को रेखांकित करना था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम -विभाजित दुनिया को जोड़ते संग्रहालय। रखी गई है।यह थीम संग्रहालयों की उस भूमिका पर केंद्रित है, जिसके माध्यम से वे समाज में संवाद, समावेश और शांति स्थापित करते हैं।बहरहाल, यदि हम यहां पर संग्रहालयों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो यूनेस्को के अनुसार 1975 में विश्व में लगभग 22,000 संग्रहालय थे, जबकि आज इनकी संख्या बढ़कर लगभग 95,000 से अधिक हो चुकी है। कुछ रिपोर्टों में यह संख्या लगभग 1,04,000 संग्रहालयों तक बताई गई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम्स के 138 से अधिक देशों में 57,000 से ज्यादा सदस्य है तथा अमेरिका विश्व में सबसे अधिक संग्रहालयों वाला देश माना जाता है।लूव्र म्यूजियम,वेटिकन म्यूजियम,ब्रिटिश म्यूजियम,मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट तथा नेशनल म्यूजियम ऑफ चाइना विश्व के कुछ प्रसिद्ध संग्रहालय हैं। वहीं दूसरी ओर यदि हम भारतीय संग्रहालयों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में केंद्र, राज्य, निजी और विश्वविद्यालय स्तर पर मिलाकर सैकड़ों संग्रहालय संचालित हैं।भारत सरकार के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के प्रशासनिक नियंत्रण में वर्तमान में 52 पुरातात्विक साइट संग्रहालय हैं। यहां यह गौरतलब है कि देश का सबसे पुराना और एशिया का सबसे बड़ा संग्रहालय इंडियन म्यूजियम है, जिसकी स्थापना 1814 में हुई थी। उल्लेखनीय है कि इंडियन म्यूजियम भारत का सबसे पुराना और एशिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक है। इसकी स्थापना, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि 1814 में डेनिश वनस्पतिशास्त्री डॉ. नाथेनियल वालिच द्वारा की गई थी। यह संग्रहालय कोलकाता(जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता)में स्थित है और इसे जादूघर के नाम से भी जाना जाता है। इस संग्रहालय की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो यहां पुरातत्व, कला, जीवाश्म, मानव विज्ञान, भूविज्ञान और प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी लाखों वस्तुएं सुरक्षित है। इतना ही नहीं,संग्रहालय की सबसे प्रसिद्ध वस्तुओं में लगभग 4000 वर्ष पुरानी मिस्र की ममी विशेष आकर्षण का केंद्र है।यहां बौद्ध स्तूप अवशेष, मुगलकालीन चित्रकला, प्राचीन सिक्के, हथियार और दुर्लभ मूर्तियां भी प्रदर्शित हैं।इसकी वास्तुकला औपनिवेशिक शैली की शानदार मिसाल मानी जाती है।संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार इस संग्रहालय की नियंत्रक संस्था है।दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर संग्रहालयों के प्रमुख केंद्र हैं।कई भारतीय संग्रहालय अब डिजिटल तकनीक, वर्चुअल टूर और इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों का उपयोग कर रहे हैं।नेशनल म्यूजियम,इंडियन म्यूजियम ,सालार जंग म्यूजियम,अल्बर्ट हॉल म्यूजियम तथा छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय भारत के कुछ प्रमुख व प्रसिद्ध संग्रहालय हैं।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में संग्रहालयों के समक्ष बहुत सी चुनौतियां विद्यमान हैं।पाठक जानते हैं कि संग्रहालय किसी भी देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक विरासत के संरक्षक होते हैं, लेकिन आज बदलते समय, तकनीक और लोगों की रुचियों के कारण संग्रहालयों के सामने कई नई चुनौतियां उभर रही हैं। यदि समय रहते इनका समाधान नहीं किया गया, तो अमूल्य धरोहरों के संरक्षण पर असर पड़ सकता है।प्रमुख चुनौतियों की बात करें तो इनमें क्रमशः वित्तीय संसाधनों की कमी(रखरखाव, सुरक्षा, संरक्षण और नई तकनीकों के उपयोग में कठिनाई), आधुनिक तकनीक का अभाव (जैसा कि अनेक संग्रहालय अभी भी पारंपरिक तरीके से संचालित हो रहे हैं), दर्शकों की घटती रुचि(जैसा कि नई पीढ़ी का झुकाव मोबाइल, इंटरनेट और मनोरंजन के आधुनिक साधनों की ओर अधिक), धरोहर संरक्षण की समस्या(पुरानी पांडुलिपियां, मूर्तियां, चित्र और ऐतिहासिक वस्तुएं समय, मौसम, प्रदूषण और नमी के कारण खराब होने लगती हैं), प्रशिक्षित विशेषज्ञों जैसे कि संरक्षण विशेषज्ञ, पुरातत्वविद, क्यूरेटर और तकनीकी कर्मचारियों की कमी,चोरी और तस्करी(दुर्लभ ऐतिहासिक वस्तुओं की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी) संग्रहालयों के समक्ष बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं। इतना ही नहीं,आपदा और जलवायु परिवर्तन (भूकंप, बाढ़, आग और जलवायु परिवर्तन) ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए यह भी एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, ऐसा नहीं है इन सबका कोई समाधान नहीं है। संग्रहालयों के संरक्षण, इन्हें बचाने के आज अनेक समाधान मौजूद हैं। मसलन, पर्याप्त वित्तीय सहायता देकर इनकी हालत को काफी हद तक सुधारा जा सकता है।सरकार और निजी संस्थाएं इसके लिए आगे आ सकते हैं। आज का समय डिजिटल और आधुनिक तकनीक का समय है, ऐसे में जरूरत इस बात की है कि संग्रहालयों को इन सबसे लैस किया जाना चाहिए। मसलन वर्चुअल टूर, क्यूआर कोड, ऑडियो गाइड, 3डी डिस्प्ले और इंटरैक्टिव स्क्रीन जैसी तकनीकों का उपयोग संग्रहालयों में बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमें संग्रहालयों के संरक्षण के लिए अधिकाधिक युवाओं को इनसे जोड़ना होगा। मसलन, आज के समय में विद्यालयों और महाविद्यालयों के शैक्षणिक भ्रमण, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं में संग्रहालयों के प्रति रुचि बढ़ाई जा सकती है। सरल शब्दों में कहें तो संग्रहालयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए तथा छात्रों के लिए नियमित म्यूजियम वॉक और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए।तापमान नियंत्रण, आधुनिक संरक्षण प्रयोगशालाएं और नियमित रखरखाव से ऐतिहासिक वस्तुओं को सुरक्षित रखा जा सकता है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7206

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली मुनीमदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'आरजू' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. बसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल अपनी कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'सुर्ख और स्याह' गीत वाली राजेंद्र कुमार, साधना की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली को सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार डालेगी ना कुकिए' गीत वाली मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो यादू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'ली आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरु राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप ही ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे सजनी मैं' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7205

दुनिया में 'नाइट्स ऑफ माल्टा' का है सबसे खास पासपोर्ट

लंदन। किसी देश के पासपोर्ट को सिर्फ विदेश यात्रा का दस्तावेज नहीं माना जाता, बल्कि कुछ पासपोर्ट अपनी दुर्लभता के कारण खास माने जाते हैं। कुछ पासपोर्ट अपनी ताकत, डिजाइन या विशेष अधिकारों की वजह से दुनिया भर में चर्चा में रहते हैं। दुनिया का सबसे दुर्लभ और खास पासपोर्ट 'नाइट्स ऑफ माल्टा' संगठन का माना जाता है। यह पासपोर्ट केवल लगभग 500 लोगों के पास मौजूद है। इसे 'सॉवरेन मिलिट्री ऑर्डर ऑफ माल्टा' के सदस्यों को जारी किया जाता है। यह संगठन बेहद अनोखा है क्योंकि इसका अपना संविधान और अंतरराष्ट्रीय पहचान तो है, लेकिन इसका कोई स्थायी भौगोलिक देश नहीं है।

ट्रंप ने फिर धमकाया कहा- ईरान के लिए बुरा वक्त आएगा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बेहद सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो तेहरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है। एक टेलीफोनिक इंटरव्यू में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान को इस समझौते में गंभीरता से दिलचस्पी दिखानी चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से पर्दे के पीछे बातचीत का दौर चल रहा है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस संबंध में बताया कि उन्हें ट्रंप प्रशासन की ओर से बातचीत जारी रखने की इच्छा के संदेश तो मिले है।

चीन में मिला 4500 साल पुराना विशाल शहर

बीजिंग। चीन में 'होउचेंगजुई स्टोन सिटी' नामक प्राचीन स्थल की खुदाई के दौरान लगभग 4500 साल पुराना एक विशाल शहर सामने आया है। यह शहर चीन के उत्तरी क्षेत्र इनर मंगोलिया में पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान मिला है। इस शहर की सबसे बड़ी खासियत इसका जटिल सुरक्षा तंत्र और जमीन के नीचे फैला सुरंगों का नेटवर्क है। पुरातत्वविदों का कहना है कि यह खोज प्राचीन सभ्यताओं की इंजीनियरिंग क्षमता और सैन्य रणनीति को समझने में बेहद अहम साबित हो सकती है। हुन नदी के किनारे स्थित यह प्राचीन शहर करीब 13.8 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

अमेरिका पहुंचा समंदर का सिकंदर, ईरान में नहीं चला जलवा

वॉशिंगटन। दुनिया का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर जेराल्ड आर. फोर्ड करीब एक साल तक समुद्र में रहने और कई बड़े सैन्य अभियानों को अंजाम देने के बाद आखिरकार अमेरिका वापस पहुंच गया है। शनिवार को इस विशाल युद्धपोत ने वर्जीनिया के नॉरफॉक पोर्ट पर लंगर डाला। यह वापसी केवल एक सैन्य अभियान का अंत नहीं है, बल्कि उन सैकड़ों परिवारों के लिए बेहद राहत का पल है जिनके प्रियजन इस ऐतिहासिक रूप से लंबे मिशन पर तैनात थे।

अमेरिकी हमले की आशंका के चलते
क्यूबा में गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग शुरु

लंबे समय से अमेरिकी तेल नाकेबंदी और आर्थिक दबाव का सामना कर रहा क्यूबा

हवाना। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख जॉन रैटक्लिफ की हवाना यात्रा के बाद क्यूबा में अमेरिकी हमले की आशंका बढ़ गई है। क्यूबा सरकार ने संभावित सैन्य टकराव को देखते हुए तैयारियां तेज कर दी हैं। देशभर में लोगों को गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग दी जा रही है और आपात स्थिति के लिए तैयार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हवाना में कई सरकारी इमारतों को संभावित अमेरिकी हमले की स्थिति में तैयारी के निर्देश दिए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक क्यूबा लंबे समय से अमेरिकी तेल नाकेबंदी और आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई इलाकों में बिजली कटौती, ईंधन संकट और जरूरी सामानों की कमी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोगों को पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो की 'पूरी आबादी की लड़ाई' की रणनीति के तहत गुरिल्ला युद्ध सिखाया जा रहा है। कुछ वीडियो में सैनिक पुराने सोवियत हथियारों के साथ अभ्यास करते दिखाई दिए।

एक वीडियो में एंटी-एयरक्राफ्ट गन को बैलों से खींचते दिखाया गया। सैन्य इतिहासकार हाल क्लेपाक ने कहा कि आधुनिक हथियारों की कमी के बावजूद क्यूबा की सेना अमेरिकी हमले का लंबा प्रतिरोध कर सकती है। उनके मुताबिक प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी क्यूबा ने बड़े स्तर पर लोगों को संगठित करने की क्षमता दिखाई है। सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ इस हफ्ते क्यूबा की राजधानी हवाना पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक वे 'यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका' लिखे हुए विमान से पहुंचे थे, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। कई क्यूबाई लोगों ने इसे राजनीतिक संकेत माना।

रिपोर्ट के मुताबिक क्यूबा सरकार लंबे समय से सीआईए को दुश्मन मानती है। 1960 के दशक में फिदेल कास्त्रो की हत्या के लिए सीआईए ने विस्फोटक सिगार और जहरीले स्कूबा सूट जैसी योजनाएं बनाई थीं। क्यूबा में सीआईए की गतिविधियों से जुड़े संग्रहालय भी मौजूद हैं। क्यूबा मामलों के विशेषज्ञ पीटर कॉर्नब्लुह ने कहा कि यह इतिहास की बड़ी विडंबना है।

जो देंगे ईरान का साथ वहीं देश उठा सकेंगे होर्मुज में नए सिस्टम का फायदा- अजीजी

तेहरान। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने कहा है कि उनका देश जल्द ही होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नया सिस्टम शुरू करेगा। उन्होंने कहा है कि यह व्यवस्था ईरान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। मीडिया रिपोर्ट में अजीजी के मुताबिक इस नए सिस्टम में सिर्फ वही कारोबारी जहाज और देश फायदा उठा सकेंगे जो ईरान के साथ सहयोग करेंगे।

ताइवान ने ट्रंप को सुनाई खरी-खरी, चीन से कहा- हम किसी के अधीन नहीं

ताइपे। चीन के आधिकारिक दौरे से लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान को लेकर एक ऐसा विवादित बयान दे दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह अमेरिका से 9,500 मील दूर किसी नए युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता, जबकि चीन के भौगोलिक नक्शे से ताइवान बेहद करीब है। ट्रंप के इस बयान के तुरंत बाद ताइवान ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिका को कूटनीतिक रूप से मुश्किल में डाल दिया है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति इस संवेदनशील मुद्दे से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे थे, वहीं ताइवान ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कर दिया है कि वह किसी भी सूरत में चीन के अधीन नहीं है।

दरअसल, बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रंप के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में स्पष्ट चेतावनी दी थी कि ताइवान का मुद्दा दोनों देशों के बीच सीधे टकराव की वजह बन सकता है। अपनी चीन यात्रा समाप्त कर स्वदेश लौटने के बाद ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा कि वह नहीं चाहते कि ताइवान औपचारिक रूप से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा करे।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा कोई भी कदम दुनिया में एक बड़ा टकराव पैदा कर सकता है और अमेरिका इतनी दूर एक और युद्ध झेलने के पक्ष में नहीं है। इसके अलावा ट्रंप ने ताइवान के साथ होने वाली 14 बिलियन डॉलर की बड़ी सैन्य डील को लेकर भी सस्पेंस बढ़ा दिया और कहा कि वह अभी इस पर विचार कर रहे हैं। ट्रंप के इस बदले हुए रुख को चीन के रणनीतिक दबाव के असर के रूप में देखा जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के कुछ ही घंटों के भीतर ताइवान के विदेश मंत्रालय ने पलटवार करते हुए कहा कि ताइवान एक संप्रभु और स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश है। ताइवान ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका से मिलने वाली सैन्य सहायता उसकी संप्रभुता और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब ट्रंप ने ताइवान को बातचीत के लिए महज एक अच्छा कार्ड बता दिया था। हालांकि, विवाद बढ़ता देख ट्रंप ने बाद में यह भी कहा कि अमेरिका की ताइवान नीति में कोई बुनियादी बदलाव नहीं हुआ है और उनके कार्यकाल के दौरान ताइवान पर कोई हमला नहीं होगा।

दिल्ली की दो टूक कहा- जहाजों पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे

- स्ट्रेट ऑफ हार्मूज में हुई घटनाओं पर भड़का भारत

जिनेवा। मिडिल ईस्ट में जारी गंभीर संघर्ष के बीच भारत ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना, चालक दल को खतरे में डालना और जहाजों की निर्बाध आवाजाही की स्वतंत्रता को बाधित करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षित समुद्री मार्ग से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों का हर हाल में पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में इस क्षेत्र में दो वाणिज्यिक जहाज डूब गए थे, जिसने वैश्विक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

भारतीय राजनयिक पार्वथानेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद की एक विशेष बैठक में यह बातें कहीं। यह महत्वपूर्ण बैठक वैश्विक ऊर्जा और आपूर्ति प्रवाह को सुरक्षित रखने के विशेष उद्देश्य से बुलाई गई थी।

भारत का यह कड़ा बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले ओमान के तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हमला किया गया था। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न हुए वैश्विक ऊर्जा और उर्वरक संकट से निपटने के भारत के दृष्टिकोण के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। भारतीय प्रतिनिधि के अनुसार, इस अभूतपूर्व संकट से निपटने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ-साथ अल्पकालिक और संरचनात्मक उपायों का संयोजन बेहद आवश्यक है।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज के पास स्थिति लगातार संवेदनशील बनी हुई है। इसी क्रम में 13 मई 2026 को सोमालिया से आ रहे भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हमला हुआ था। ओमान के अधिकारियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए इस जहाज पर सवार सभी 14 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया था। हालांकि, यह हमला किसने किया, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। भारत सरकार ने इस घटना को पूरी तरह से अनुचित और अस्वीकार्य बताया है। इस साल फरवरी में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक भारतीय ध्वज वाले कम से कम तीन जहाजों को निशाना बनाया जा चुका है। रणनीतिक रूप से ओमान के तट के करीब स्थित होर्मुज एक बेहद संकरा और महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

अब भारत में करोड़ों बैरल तेल रखेगा यूएई

तेल भंडार में 70फीसदी का बंपर इजाफा

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को एक बहुत बड़ा बूस्ट मिलने जा रहा है। भारत के कच्चे तेल के रणनीतिक भंडार में लगभग 70 फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दिग्गज ऊर्जा कंपनी अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी ने भारत में अपना क्रूड ऑयल स्टोरेज बढ़ाकर 3 करोड़ बैरल तक करने पर सहमति जताई है। इस ऐतिहासिक कदम से भारत का कुल कच्चा तेल रिजर्व पहले के मुकाबले काफी मजबूत स्थिति में आ जाएगा।

अबू धाबी की इस दिग्गज ऊर्जा कंपनी और इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड के बीच यह अहम समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब युद्ध के चलते भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यूएई भारत को कच्चा तेल सप्लाई करने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल है। इस नई डील के तहत जब यूएई अपना स्टोरेज 30 मिलियन बैरल तक बढ़ाएगा, तो भारत के कुल रणनीतिक भंडार में 40 लाख टन से अधिक अतिरिक्त कच्चे तेल की वृद्धि होगी। वर्तमान में भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में स्थित है, जिसकी कुल क्षमता 5.3 मिलियन टन (लगभग 38 मिलियन बैरल) है। कच्चे तेल के अलावा, दोनों देशों ने भारत में एलएनजी और एलपीजी स्टोरेज की संभावनाओं के साथ-साथ फुजैरा में भी क्रूड स्टोरेज को लेकर समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। देश में रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ भी एक खास डील की गई है, जिससे एक लॉन्ग-टर्म एलपीजी खरीद-बिक्री समझौते को मजबूती मिलेगी और आपूर्ति ठप होने का खतरा टल जाएगा।

एफ-35 फाइटर जेट में 'स्वदेशी तकनीक जोड़ेगा इजरायल

अब बढ़ेगी मारक क्षमता और ऑपरेशनल रेंज

तेलअवीव। इजरायल ने अपने सबसे आधुनिक और घातक लड़ाकू विमान, लॉकहीड मार्टिन एफ-35द्व अदिर की मारक क्षमता और पहुंच को कई गुना बढ़ाने के लिए एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। इजरायली रक्षा मंत्रालय की घोषणा के मुताबिक, वह इस अमेरिकी स्टेल्थ फाइटर जेट में स्वदेशी तकनीक से विकसित एक्सटर्नल फ्यूल टैंक (बाहरी ईंधन टैंक) लगाने जा रहा है। इस स्वदेशी समाधान के बाद एफ -35द्व की उड़ान रेंज इतनी बढ़ जाएगी कि उसे लंबी दूरी के मिशनों को अंजाम देने के लिए हवा में ईंधन भरने वाले टैंकर विमानों (रिफ्यूलर) पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

इस रणनीतिक प्रोजेक्ट के लिए इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने एल्बिट सिस्टम्स की सहायक कंपनी साइक्लोन के साथ 100 मिलियन शेकेल (करीब 34 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का एक बड़ा समझौता किया है। यह कंपनी एफ-35द्व के लिए विशेष रूप से बाहरी ईंधन टैंक विकसित और इंटीग्रेट करेगी। गौरतलब है कि इजरायल ने इससे पहले अपने एफ-16 फाइटर जेट्स के लिए भी इसी तरह की तकनीक का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था।

वर्तमान में एफ-35 की सबसे बड़ी चुनौती उसकी सीमित रेंज है। नए 600 गैलन तक की क्षमता वाले ड्रॉप टैंक्स लगने से इस विमान की ऑपरेशनल रेंज कई सौ किलोमीटर बढ़ जाएगी। इससे यह फाइटर जेट अधिक पेलोड (हथियार और मिसाइलें) लेकर दुश्मन के इलाके में काफी अंदर तक हमला करने में सक्षम होगा। सबसे खास बात यह है कि इन टैंकों को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है और इन पर ऐसी विशेष कोटिंग की जाएगी, जिससे विमान की स्टेल्थ यानी राडार से बचने की मुख्य क्षमता पर कोई बुरा असर न पड़े। इजरायली रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम अगले दशक की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने और क्षेत्र में अपनी सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

गंगा जल संधि के भविष्य को लेकर बांग्लादेश में बढ़ी बेचैनी

रिश्तों को लेकर दी चेतावनी

ढाका। भारत और बांग्लादेश के बीच वर्ष 1996 में हुई ऐतिहासिक 30 वर्षीय गंगा जल बंटवारा संधि इस वर्ष दिसंबर में समाप्त होने वाली है। संधि की अवधि पूरी होने से पहले बांग्लादेश की वर्तमान बीएनपी सरकार में इसे लेकर भारी बेचैनी देखी जा रही है। बांग्लादेश की ओर से इस मुद्दे पर भारत को लेकर कड़े बयान सामने आ रहे हैं। बीएनपी के महासचिव और स्थानीय सरकार में सहकारिता मंत्री मिर्जा फकरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत के साथ बांग्लादेश के भविष्य के संबंध इसी बात पर निर्भर करेंगे कि दोनों देशों के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर नई संधि किस तरह और किन शर्तों पर होती है।

बांग्लादेश सरकार का कहना है कि यह जल संधि उनके देश के करोड़ों लोगों की जीविका और पानी की जरूरतों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है, इसलिए भारत सरकार को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप तुरंत ही नई संधि लागू करनी चाहिए। उनका तर्क है कि पुरानी संधि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में हुई थी, जो अब सत्ता में नहीं हैं। ऐसे में नई संधि को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है।

बांग्लादेशी नेताओं ने यह सुझाव भी दिया है कि इस बार नई संधि को किसी निश्चित समयावधि के बजाय अनिश्चितकाल के लिए लागू किया जाना चाहिए। इस बीच, बांग्लादेश पद्मा नदी पर एक नई बैराज परियोजना भी तैयार कर रहा है, जिसका निर्माण 2033 तक पूरा होने की संभावना है। वहां के जल संसाधन मंत्रालय का मानना है कि यह बांग्लादेश के अपने हित का मामला है और इसमें भारत के साथ चर्चा करना आवश्यक नहीं है। हालांकि, जल विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस प्रस्तावित बैराज के कारण नदी का तल ऊंचा हो सकता है, जिससे वहां गाद जमा होने और बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ने का खतरा है।

भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे का विवाद दशकों पुराना है। बांग्लादेश का आरोप रहा है कि भारत फरक्का बैराज के जरिए उसके हिस्से का पानी रोकता है, जबकि भारत का रुख हमेशा से यह रहा है कि फरक्का बैराज का उद्देश्य केवल कोलकाता बंदरगाह को सुचारू रूप से संचालित रखना है। दोनों देशों के बीच कुल 54 नदियां साझा हैं, जो दोनों ही देशों की बड़ी आबादी के लिए जीवनदायिनी हैं। बांग्लादेश में हाल के दिनों में बढ़े भारत विरोधी रुख और पाकिस्तान से नजदीकियों के बीच, भारत सरकार भी इस जल संधि के भविष्य और अपनी रणनीतिक सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्कता से विचार कर रही है।

एपस्टीन फाइल्स का असर, ब्रिटेन के पीएम दे सकते हैं इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन में इस समय भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है, जिसके चलते प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की कुर्सी पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। हाल ही में सामने आई एपस्टीन फाइल्स और उसके बाद स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ लेबर पार्टी को मिली करारी शिकस्त के बाद प्रधानमंत्री पर पद छोड़ने का दबाव बेहद बढ़ गया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, कीर स्टारमर अब अपना पद छोड़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार हो गए हैं और उन्होंने अपने करीबियों से कहा है कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं। हालांकि, वह यह कदम कब और किस तरह उठाएंगे, इसका फैसला वह खुद करेंगे। लेबर सरकार के इस संकट की मुख्य वजह एपस्टीन फाइल्स में पार्टी के नेता पीटर मैंडलसन का नाम सामने आना है। इस खुलासे के बाद से ही ब्रिटिश जनता का विश्वास लेबर पार्टी से पूरी तरह उठ गया, जिसका सीधा असर देश में हुए हालिया स्थानीय चुनावों पर देखने को मिला। ब्रिटेन के 136 क्षेत्रों में हुए इन क्षेत्रीय चुनावों के नतीजों ने सरकार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। अंतिम नतीजों के मुताबिक, लेबर पार्टी ने परिषद की उन 2,200 से अधिक सीटों में से लगभग 1,200 सीटें गंवा दी हैं, जिन पर पहले उसका कब्जा था। इस चुनाव में निगेल फराज के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके सबसे बड़ी विजेता बनकर उभरी है, जिसने लगभग 1,422 सीटें जीती हैं। वहीं लेबर पार्टी महज 980 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर सिमट गई है। चुनावी नतीजों में लिबरल डेमोक्रेट्स को 834 और कंजरवेटिव पार्टी को 754 सीटें मिली हैं। वेल्स में 27 साल तक सत्ता में रहने के बाद लेबर पार्टी को वहां भी करारी हार का सामना करना पड़ा है, जहां वह तीसरे स्थान पर खिसक गई है। वहीं स्कॉटलैंड में भी पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इस करारी हार के बाद प्रधानमंत्री कीर स्टारमर को न सिर्फ जनता, बल्कि अपनी ही पार्टी के भीतर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

ताइवान को लेकर अमेरिका के मौन से कूटनीतिक गलियारों में खलबली

वॉशिंगटन। दुनिया की राजनीति में वफादारी और वादों की उम्र बहुत छोटी होती है, यह बात एक बार फिर साबित हो गई है। तीन दिनों की हाई-प्रोफाइल चीन यात्रा खत्म करने के बाद जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विशेष विमान एयर फोर्स वन में पत्रकारों से मुखातिब हुए, तो उनके सुर पूरी तरह बदले हुए थे। कल तक ताइवान की सुरक्षा की कसमें खाने वाले ट्रंप अब ताइवान के मुद्दे पर पूरी तरह आंखें मूंदते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साफ संकेत दे दिया है कि वे फिलहाल ताइवान की आजादी का समर्थन करने या उसे हथियारों की सप्लाई तेज करने के मूड में नहीं हैं। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका को अपने घर से 9,500 मील दूर एक और युद्ध की जरूरत नहीं है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई लंबी बातचीत के बाद ट्रंप का यह बयान चीन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है, जबकि ताइवान के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है।इससे पहले अमेरिकी प्रशासन ने ताइवान को हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी थी, लेकिन अब राष्ट्रपति खुद इस सौदे पर ब्रेक लगाते दिख रहे हैं। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी हथियारों की बिक्री पर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है और वे इस पर थोड़ा और सोचेंगे। चीन शुरू से ही इस रक्षा सौदे का कड़ा विरोध कर रहा था। बीजिंग में हुई बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने ट्रंप को दो-टूक चेतावनी दी थी कि ताइवान के मुद्दे पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के संबंधों को हमेशा के लिए बिगाड़ सकता है।

जिनपिंग ने ताइवान को लेकर अपनी रेड लाइन खींचते हुए साफ किया कि चीन ताइवान की स्वतंत्रता का कट्टर विरोधी है और इसे मुख्य भूमि (मेनलैंड चाइना) के साथ जोड़ने के लिए वह ताकत का इस्तेमाल करने से भी पीछे नहीं हटेगा। हैरान यह रही कि जब जिनपिंग अपनी कड़ी शर्तें रख रहे थे, तब ट्रंप ने इस पर कोई विरोध दर्ज नहीं कराया।

अमेरिका लौटे ट्रंप के दिखने लगे तीखे तेवर, ईरान पर फिर मंडराए युद्ध के बादल

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा भले ही ऊपरी तौर पर सफल दिख रही हो, लेकिन बीजिंग से लौटते ही उनके सामने ईरान का सबसे बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अंदरखाने अब एक बार फिर युद्ध की आहट तेज हो चुकी है। ट्रंप के शीर्ष अधिकारियों ने बातचीत विफल रहने की स्थिति में ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने की पूरी योजना तैयार कर ली है। चीन से लौटते समय खुद ट्रंप ने एयर फोर्स वन में साफ कर दिया कि ईरान का नया शांति प्रस्ताव उन्हें मंजूर नहीं है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि अगर उन्हें किसी प्रस्ताव की शुरुआत ही पसंद नहीं आती, तो वह उसे सीधे खारिज कर देते हैं। इससे साफ है कि कूटनीतिक बातचीत के रास्ते अब पूरी तरह अनिश्चित हो चुके हैं। फिलहाल अमेरिका और उसके सहयोगी देश एक ऐसा समझौता कराने की कोशिश में हैं जिससे ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को व्यापार के लिए फिर से खोल दे, क्योंकि इसी रास्ते से दुनिया की बड़ी मात्रा में तेल और गैस की आपूर्ति होती है। अगर यह रास्ता खुलता है, तो ट्रंप इसे अपनी बड़ी जीत के तौर पर पेश करना चाहते हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन इस समय दोहरे दबाव में है, एक तरफ युद्ध को खत्म करने का राजनीतिक दबाव है, तो दूसरी तरफ ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने का सैन्य लक्ष्य अब तक अधूरा है।

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू की जा सकती है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के अनुसार, हालात बिगड़ने पर हमले तेज करने की योजना पूरी तरह तैयार है और अगले हफ्ते तक बमबारी फिर से शुरू होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। इसके लिए इजरायल और अमेरिका मिलकर बड़े पैमाने पर युद्ध का अभ्यास कर रहे हैं। रणनीति के तहत ईरान के सैन्य ठिकानों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी की जा सकती है, या फिर अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज को जमीन पर उतारकर उसके परमाणु ठिकानों को सीधा निशाना बनाया जा सकता है। दूसरी तरफ, ईरान ने भी साफ कर दिया है कि वह पीछे नहीं हटेगा।

रंगसंसार

विपुल शाह ने दर्शकों का जताया आभार

निर्देशक विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म च्द केरला स्टोरी 2ज् इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी जबरदस्त सफलता हासिल कर रही है। फिल्म के स्ट्रीम होते ही इसे दर्शकों का बड़ा समर्थन मिला और यह तेजी से ट्रेंड करने लगी। फिल्म की सफलता से उत्साहित विपुल अमृतलाल शाह ने एक वीडियो जारी कर दर्शकों का धन्यवाद किया है। वीडियो में उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर कई तरह की आलोचनाएं और आरोप लगाए गए, लेकिन दर्शकों ने इन सब बातों को नजरअंदाज करते हुए फिल्म को प्यार दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने दर्शकों को फिल्म देखने से रोकने की कोशिश की, मगर लोगों ने सच्चाई को समझा और फिल्म को सफल बनाया। विपुल शाह ने यह भी कहा कि उनकी फिल्मों का मकसद सिर्फ मनोरंजन करना नहीं बल्कि समाज के गंभीर मुद्दों को सामने लाना भी है। उन्होंने हाल ही में चर्चा में आई नासिक की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि अब लोग फिल्म की कहानी और उसके संदेश को ज्यादा गंभीरता से समझ रहे हैं। फिल्म के ओटीटी पर नंबर वन ट्रेंड करने के बाद मेकर्स काफी खुश हैं।

एकता कपूर ने खोले फिल्म च्वान के राज

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर फिल्म च्व्वानज् इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। हॉरर और कॉमेडी के अनोखे मिश्रण पर आधारित यह फिल्म 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल मानी जा रही है। हाल ही में निर्माता एकता कपूर ने फिल्म को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। एकता कपूर ने कहा कि च्वानज् ऐसी फिल्म होगी जिसे दर्शकों को बेहद ध्यान से देखना पड़ेगा, क्योंकि इसमें छोटी-छोटी डिटेलिंग पर काफी मेहनत की गई है। उन्होंने टीवीएफ के संस्थापक और फिल्म के लेखक अरुणाभ कुमार की जमकर तारीफ की। एकता ने कहा कि फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसके किरदार और उनकी बारीक प्रस्तुति होगी। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और अनुप सोनी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार ने मिलकर किया है। च्वानज् का निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स और टीवीएफ मोशन पिक्चर्स ने साथ मिलकर किया है। फिल्म की कहानी रहस्य, रोमांच और डर से भरपूर बताई जा रही है। मेकर्स का दावा है कि यह दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और अभी से सोशल मीडिया पर इसे लेकर जबरदस्त चर्चा देखने को मिल रही है।

सनी लियोनी ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। 44 साल की उम्र में भी सनी की फिटनेस और स्टाइल देखकर फैंस हैरान रह गए हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बीच फोटोशूट की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में सनी लियोनी शिमरी बिकिनी में नजर आ रही हैं। कभी समुद्र किनारे रेत पर लेटकर तो कभी पानी में बैठकर उन्होंने अलग-अलग अंदाज में पोज दिए हैं। उनके बड़े सनग्लासेस और स्टाइलिश लुक ने तस्वीरों में ग्लैमर का तड़का लगा दिया है। सनी ने अपने मेकअप को भी काफी सटल रखा है। हल्का मेकअप, भीगी जुल्फें और आत्मविश्वास से भरी मुस्कान उनके पूरे लुक को और आकर्षक बना रही है। फैंस सिर्फ उनके ग्लैमरस अंदाज की ही नहीं बल्कि उनकी फिटनेस की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें सामने आते ही कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई उन्हें च्बीच बेबीज्ज् कह रहा है तो कोई च्ग्लॉर्जियस क्वीनज्ज् बता रहा है। फैंस का कहना है कि सनी ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक नंबर होती है। अभिनेत्री की ये तस्वीरें लगातार वायरल हो रही हैं और इंटरनेट पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

22 मई को रिलीज होगी च्चांद मेरा दिलज

अभिनेत्री अनन्या पांडे और अभिनेता लक्ष्य स्टारर रोमांटिक ड्रामा फिल्म च्चांद मेरा दिलज् का आधिकारिक ट्रेलर हाल ही में रिलीज कर दिया गया। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जिन्होंने फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स पर भी काम किया है। ट्रेलर की शुरुआत एक तनावपूर्ण दृश्य से होती है, जिसमें आरव और चांदनी के रिश्ते में दरार की झलक दिखाई देती है। आरव अपने व्यवहार के लिए माफी मांगते नजर आते हैं, जिसके बाद कहानी दोनों के खूबसूरत रोमांस की ओर बढ़ती है। ट्रेलर में चांदनी अपने रिश्ते को किसी फेयरीटेल प्रेम कहानी जैसा बताती है। हालांकि, आरव की एक गलती दोनों के रिश्ते के बीच बड़ी बाधा बन जाती है। खास बात यह है कि ट्रेलर में कहानी का पूरा खुलासा नहीं किया गया, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

फिल्म में मनीष चौधरी, इरावती हर्षे और आस्था सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने फिल्म का संगीत तैयार किया है, जबकि गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फिल्म के अब तक तीन गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, आदर पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमन मिश्रा और मेरिज्क डीज्सीजा ने मिलकर किया है।

दैनिक पंचांग

18 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष 05.07 बजे से	
चंद्र	वृष में	मिथुन 07.09 बजे से	
मंगल	मेष में	कर्क 09.23 बजे से	
बुध	वृष में	सिंह 11.39 बजे से	
गुरु	मिथुन में	कन्या 13.51 बजे से	
शुक्र	मिथुन में	तुला 16.01 बजे से	
शनि	मीन में	वृश्चिक 18.16 ब.से	
राहु	कुंभ में	धनु 20.32 बजे से	
केतु	सिंह में	मकर 22.37 बजे से	
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ 00.24 बजे से	
		मीन 01.57 बजे से	
		मेष 03.27 बजे से	

सोमवार 2026 वर्ष का 138 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि द्वितीया 17.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 11.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 21.48 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.47 बजे, कौलव 17.54 बजे तदनन्तर तैतिल 04.04 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 1.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872713
जूलियन दिन 2461178.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्कैज तारीख 01
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। www.Jagrutidaur.com, Bangalore

और लो राजा दूध 70 रुपये लीटर

जैसे ही पांच राज्यों के चुनाव खत्म हुए। आम जनता के ऊपर महंगाई का बम फूट गया है। अमूल, मदर डेयरी, सांची इत्यादि का दूध 70 रुपये प्रति लीटर हो गया है। कोऑपरेटिव सेक्टर की दूध कंपनियां पूंजी पतियों की तरह सोचती हैं। सरकार ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। पिछले एक दशक में दूध के दाम 35 से बढ़कर 70 पर पहुंच गए। बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। महंगाई की मार है। बच्चों पर इसका असर पड़ना तय है। वैसे भी सरकार पूंजीपतियों की है। आम आदमी से इसका कोई सीधा लेना देना नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम के बेटे का निधन

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी से उत्पन्न बेटे प्रतीक की पिछले दिनों मौत हो गई। प्रतीक की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके साथ एक चर्चा यह भी चल रही है। उत्तर प्रदेश के जो मुख्यमंत्री हुए हैं। अधिकांश की एक से ज्यादा पत्नियां वैध और अवैध रूप से थी। कई पूर्व मुख्यमंत्री के बेटों की मौत संदिग्ध स्थिति में हुई हैं।

केवल लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती- उर्वशी रौतेला

मुंबई अपने करियर और अभिनय को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने नया नजरिया अपनाने की बात कही है। उर्वशी रौतेला ने बताया कि उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखना या लोगों से तारीफ पाना मायने नहीं रखता, बल्कि वह ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं जिनमें गहराई, भावनाएं और कोई सार्थक संदेश हो।

एक्ट्रेस का कहना है कि समय के साथ उन्होंने समझा है कि कलाकार की असली पहचान उसके काम की सच्चाई और दर्शकों से उसके भावनात्मक जुड़ाव से बनती है। उर्वशी ने कहा कि करियर की शुरुआत में हर कलाकार चाहता है कि उसे पहचान मिले और लोग उसे नोटिस करें, लेकिन केवल लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती। उनके मुताबिक अगर किसी कहानी या किरदार में सच्चाई और भावना नहीं होगी तो वह लंबे समय तक लोगों के दिलों में जगह नहीं बना पाएगा।

अभिनेत्री ने कहा कि अब वह सिर्फ दिखावे या ग्लैमर के लिए काम नहीं करना चाहतीं, बल्कि ऐसी फिल्मों और कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में जागरूकता पैदा करें। गौरतलब है कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2013 में आई फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। अब वह अपनी आगामी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उर्वशी पूनम मिश्रा नाम का किरदार निभा रही हैं।

अपने रोल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार उनका किरदार केवल एक सहायक पत्नी का नहीं है, बल्कि ऐसा इंसान है जो भीतर ही भीतर कई संघर्षों से गुजर रहा है। अभिनेत्री के अनुसार, इस किरदार की सबसे बड़ी खासियत उसका च्साइलेंस में सर्वाइवलज् यानी चुप्पी के भीतर छिपा संघर्ष है। वह बिना शोर किए और बिना अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर किए परिस्थितियों से लड़ती रहती है। उर्वशी ने कहा कि क्राइम ड्रामा में लोग अक्सर सिर्फ हिंसा और एक्शन देखते हैं, लेकिन असली कहानी उसके पीछे छिपे डर, अकेलेपन और मानसिक संघर्ष की होती है। उनके मुताबिक उनका किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने भीतर के डर और भावनात्मक संघर्ष से जूझता नजर आएगा।

मंकू को मिला सबक

बाल कथा

सुंदरबन में बहुत सारे बंदरों के परिवार रहते थे। मंकू भी अपने परिवार के साथ रहता था। मंकू के मम्मी-पापा और उसके सारे रिश्तेदार उसे बहुत प्यार करते थे। ज्यादा प्यार-दुलार के चक्कर में मंकू थोड़ा शरारती भी हो गया था। अपने से बड़ों की कोई बात सुनता ही नहीं था। कोई समझाता तो एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता था। मंकू जैसे-जैसे बड़ा हो रहा था, वैसे-वैसे उसकी शरारतें भी बढ़ती जा रही थीं। कभी-कभी वह अपने दोस्तों के साथ मिलकर शरारतों की अति कर देता था।

सुंदरबन में बहुत सारे इलाके थे, जिसमें अलग-अलग बंदर परिवार रहते थे। मंकू भी अपने परिवार के साथ एक आम के बगीचे में रहता था। सबका इलाका बंटा हुआ था। सब अपने इलाके की अच्छे से देखभाल करते थे। किसी बाहरी की घुसपैठ बर्दाश्त नहीं करते थे, और न ही अपने पेड़ों के फल खाने देते थे, क्योंकि पेड़ों के फल ही उनका मुख्य भोजन था। मंकू के इलाके में भी आम के बौर खूब लगे हुए थे। परिवार के सारे लोग प्रसन्न थे कि इस साल खाने की भरपूर मात्रा रहेगी। लेकिन मंकू खूब शरारत करता था। वह आम की छोटी-छोटी कैरियों को ही तोड़कर खाता और गिरा देता था। जितना खाता था, उससे दस गुना ज्यादा नुकसान करता था। मंकू के मम्मी-पापा हमेशा समझाते थे, बेटा तुम्हें जितना खाना है उतना ही फल तोड़ना चाहिए क्योंकि यह सीमित है, और यह सभी का भोजन है। एक बार भोजन समाप्त होने के बाद फिर भोजन मिलने में बहुत ही कठिनाई होती है। इसलिए फिजूल का नुकसान नहीं करना चाहिए।

शैतान मंकू कहां सुनने वाला था। वह अपने दोस्तों के साथ मिलकर दिनभर उपद्रव करता था, और बहुत सारे फलों का नुकसान कर देता था। बहुत डांट-डपट के बाद भी मंकू नहीं सुधरा, जिसका नतीजा यह हुआ कि अन्य फलों के पेड़ों पर फल आने से पहले ही आम के पेड़ों पर फल समाप्त हो गए। परिवार के सामने पेट भरने की समस्या आ खड़ी हुई। सबको बहुत थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ही खाने को फल मिल रहे थे। मंकू का तो पेट ही नहीं भर पा रहा था। उसके पेट में बार-बार भूख से मरोड़ उठती थी। जब बगीचे में फल पूरी तरह खत्म हो गए, तो भूखे मरने की नौबत आ गई। तब पूरे परिवार ने मिलकर निर्णय लिया कि रिश्तेदारों के बगीचे में चला जाए। उनसे थोड़ा-बहुत फल भोजन के लिए मांगा जाए। भूखे मरने से अच्छा, सभी को यह निर्णय पसंद आया। लेकिन एक समस्या थी। बीच रास्ते में लकड़बग्घे की मांद थी। लकड़बग्घा बेहद ही खूंखार था। वह छोटे बच्चों को तो यूं ही चबा जाता था। बड़े तो किसी प्रकार लड़ कर अपनी जान बचा भी लेते थे। लेकिन बच्चे तो बिल्कुल ही सुरक्षित नहीं थे।

लेकिन रास्ता वही एक था। या तो भूखे मरें, या रास्ता पार करें। सब ने जोखिम उठाने का निर्णय लिया। भूखे पेट कितने दिन रहा जा सकता है, तो सब रिश्तेदारों के बगीचे की तरफ चल दिए। इधर लकड़बग्घा भी कई दिनों से भूख से बेहाल था। जब उसने अपनी तरफ बंदरों के झुंड को आते हुए देखा तो उसकी बांछें खिल उठीं। स्वादिष्ट भोजन का इंतजाम होता देख कर उसकी लार टपकने लगी।

लकड़बग्घा बेहद ही शातिर था। वह जानता था कि बड़े बंदर चालाक होते हैं। इसलिए आसानी से उसकी पकड़ में नहीं आएंगे। उसने अपना पूरा ध्यान बच्चों के ऊपर केंद्रित कर लिया। वह आंखें मूंद कर चुपचाप पड़ा रहा, ताकि किसी को शक ना हो, और सभी कोई उसके पास आ जाएं। उसके बाद वह आक्रमण करेगा।

मंकू के मम्मी-पापा लकड़बग्घे की इस प्रवृत्ति से भली भांति परिचित थे। इसीलिए उन्होंने मंकू को बीच में रखा। उनका मकसद था कि यदि लकड़बग्घा आक्रमण करेगा तो मंकू को बचाया जा सके। आंखें मूंद कर लेटे हुए लकड़बग्घे को महसूस हुआ कि मंकू उसके काफी पास आ गया है। वह अचानक से अपनी आंखें खोल कर उसके ऊपर झपट पड़ा। मंकू के मम्मी-पापा इस हमले के लिए पूरी तरह तैयार थे। वे दोनों ही उससे भिड़ गए। लकड़बग्घे की चाल कामयाब नहीं हो पाई। लेकिन, इस हाथापाई में मंकू के पापा को बहुत ज्यादा चोट लग गई। मंकू बिल्कुल घबरा गया। डरावना लकड़बग्घा और उसकी लाल-लाल आंखों ने मंकू को भीतर से भयभीत कर दिया। वह डर के मारे अपनी मम्मी से चिपक गया। उसकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। उसे नहीं पता था कि लकड़बग्घा इतना खतरनाक होता है।

लेकिन उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने एकजुटता से लकड़बग्घे से मुकाबला कर उसे भगा दिया। इसके बाद वे सब रिश्तेदार के बगीचे की तरफ जल्दी-जल्दी चल दिए। अपने पिता की चोट देख कर मंकू को बहुत ही पछतावा हो रहा था। यदि उसने अपने इलाके के फलों को नुकसान नहीं पहुंचाया होता तो अभी वहां पर खाने के लिए बहुत सारे फल रहते। उसके परिवार को रिश्तेदारों के यहां जाना नहीं पड़ता, और न ही लकड़बग्घे से मुठभेड़ होती।

इस हादसे के बाद मंकू भोजन की कीमत समझ चुका था। उसने कान पकड़ लिया कि आइंदा किसी भी फल-फूल के पेड़ को या किसी भी पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचाएगा, ताकि सबको आसानी से भोजन मिलता रहे।

> मंकू कहां सुनने वाला था। वह अपने दोस्तों के साथ दिनभर उपद्रव कर बहुत सारे फलों का नुकसान कर देता था। बहुत डांट-डपट के बाद भी मंकू नहीं सुधरा, जिसका नतीजा यह हुआ कि अन्य फलों के पेड़ों पर फल आने से पहले ही आम के पेड़ों पर फल समाप्त हो गए। परिवार के सामने पेट भरने की समस्या आ खड़ी हुई।

मातृत्व को भी चाहिए ममता

'वर्जिन रिवर' कस्बे में हंगामा बरपा है। डाक्टर मार्क की क्लीनिक के दरवाजे पर कोई नवजात बच्ची को छोड़ गया है। इस छोटे से कस्बे में सभी एक-दूसरे को जानते हैं, तो सबके लिए हैरत की बात थी कि अपनी बच्ची को कोई ऐसे कैसे छोड़ सकता है। डाक्टर को लगता है कि यहां से कुछ दूर रहने वाले नशेड़ियों के समूह में से जो लड़की गर्भवती थी, यह बच्ची उसकी है। डाक्टर की सहयोगी मीलिंडा जो एक नर्स है, वह उस छोड़ी हुई अनाथ बच्ची के प्रति संवेदनशील हो उठती है। बच्ची बाहर का दूध नहीं पी रही है, जिस वजह से सभी चिंतित हैं।

जब सभी को लगता है कि बच्ची को किसी बाहरी ने यहां छोड़ा है, उसी वक्त नर्स मीलिंडा पता लगा लेती है कि बच्ची वर्जिन रिवर की ही वासी लिली की है, जिसे सभी जानते हैं। मीलिंडा इस बात की तह में जाती है कि आखिर एक मां अपनी नजवात को छोड़ कैसे सकती है। मिलिंडा डाक्टर व शहर के अन्य लोगों को समझाती है कि लिली प्रसव के बाद के अवसाद की समस्या यानी पोस्टपार्टम से जूझ रही है। डाक्टर सहित आम लोगों के लिए भी यह अबूझ पहेली थी कि क्या

मार्गदर्शन

अवसाद ऐसी स्थिति में ला सकता है कि मां अपने बच्चे को ही त्याग दे। लिलि पहले ही चार बच्चों की मां थी। उसके बच्चे बड़े हो चुके थे, और अलग रह रहे थे। लिलि के पति की छह महीने पहले मौत हो गई थी। पति की मौत, और इतनी बड़ी उम्र की गर्भावस्था ने लिलि को असहज कर दिया, और उसने अपनी अवस्था की बात किसी को नहीं बताई। बच्ची पैदा होने के बाद उसका अवसाद इतना बढ़ गया कि उसने फैसला किया कि बच्ची को किसी बेहतर जगह पर ही छोड़ देना उसके भविष्य के लिए सही होगा।

नेटफ्लिक्स की इस वेब सीरीज में एक ऐसा जरूरी मुद्दा उठाया गया है, जो वहां के अनुभवी डाक्टर के लिए भी नया है। यह सीरिज लेखिका राबिन कार के उपन्यासों की कड़ी 'वर्जिन रिवर' पर आधारित है। वेब सीरिज मूल उपन्यास से काफी अलग है। इसी के तहत 'पोस्टपार्टम' जैसा मुद्दा भी आया है। वर्जिन रिवर के सबसे योग्य और बुजुर्ग डाक्टर को भी 'पोस्टपार्टम' अवसाद की समस्या के बारे में नहीं पता और वे चाहते हैं कि युवा नर्स मिलिंडा, लिलि की इस मामले में मदद करे। कभी मिलिंडा ने भी प्रसव के समय अपना बच्चा खोया था और वह गहरे अवसाद में चली गई थी। मिलिंडा ने लिलि को एहसास कराया कि दवाओं से यह दिक्कत ठीक हो सकती है, और उसे अपना इलाज करवाना चाहिए।

पिछले दिनों हिंदी फिल्मों की एक मशहूर अभिनेत्री ने कहा कि जन्म के बाद सभी सिर्फ बच्चे का ही ध्यान रखते हैं। मां के बारे में किसी को चिंता नहीं होती, जो 'पोस्टपार्टम' अवसाद का प्रमुख कारण बनता है। इस संबंध में घर-घर बात होने के बावजूद अभी तक इसे नई मां के 'नखरे' के रूप में ही देखा जाता है। जरूरत इस बात की है कि इसे जच्चा-बच्चा की देखभाल का जरूरी अंग माना जाए और यह सिर्फ शहर के महंगे अस्पतालों की बात न हो।

कांची-कावेरी : भक्ति संस्कृति की गाथा

मैं क्या झाड़ूं लगाऊंगा? ओड़ीशा की संस्कृति में अगर कोई बच्चा साफ-सफाई के काम को कमतर समझते हुए नाक-भौं सिकोड़ता है तो उसे अपने घर में नाना-नानी या दादा-दादी से कांची-कावेरी की कथा सुननी पड़ती है। ओड़ीशा के सांस्कृतिक इतिहास में भक्ति का अपना महत्त्व है। भक्ति की भावना राज्य के लोगों की जीवन-शैली में सादगी का भाव लाती है।

ओड़ीशा में गजपति वंश के राजा पुरुषोत्तम देव की भक्ति और सादगी की चर्चा दूर-दूर तक फैली थी। वे भगवान जगन्नाथ के भक्त थे। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा निकलती थी तो राजा सोने की झाड़ू से रथ के आगे सफाई करते हुए चलते थे। रथ के आगे राजा द्वारा सफाई करने की इस प्रथा को 'छेरा पहरा' कहा जाता है। इसके जरिए यही संदेश दिया जाता है कि भगवान जगन्नाथ के सामने राजा और प्रजा, सभी एक समान हैं।

राजा पुरुषोत्तम देव ने दक्षिण भारत के कांची राज्य की राजकुमारी पद्मावती से विवाह का प्रस्ताव भेजा। राजकुमारी के पिता व कांची के राजा ने इस विवाह को सहमति दे दी। लेकिन राजा को यह जानकर अजीब लगा कि उनका होने वाला जमाता रथ के आगे झाड़ू लगाता है। यह जानकारी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि मैं अपनी बेटी का विवाह किसी झाड़ू लगाने वाले से नहीं करूंगा। विवाह प्रस्ताव नकारे जाने के बाद क्रोधित पुरुषोत्तम ने कांची राज्य पर आक्रमण कर दिया। लड़ाई में पुरुषोत्तम देव पराजति हो गए। पराजित पुरुषोत्तम देव पुरी लौट गए। पुरी में उन्होंने भगवान जगन्नाथ की प्रार्थना की। उनकी प्रार्थना स्वीकार करते हुए भगवान ने मदद का फैसला किया। भगवान जगन्नाथ ने अपने बड़े भाई बलभद्र के साथ सैनिक का वेष धरा और पुरुषोत्तम देव की सेना में शामिल हो गए।

दूसरे युद्ध में पुरुषोत्तम देव ने कांची पर विजय हासिल कर ली। राजकुमारी पद्मावती को पुरी लाया गया। राजा ने अपने मंत्री से कहा कि राजकुमारी का विवाह किसी सच्चे झाड़ू लगाने वाले से कर दिया जाए। मंत्री ने राजा के फैसले पर अमल के लिए सही समय का इंतजार किया। अगले वर्ष रथ यात्रा के दौरान जब राजा फिर से भगवान के सामने झाड़ू लगाने लगे, तब मंत्री ने वहां पर आकर कहा कि राजा से बड़ा असली झाड़ू लगाने वाला कौन हो सकता है। इसके बाद राजा और पद्मावती का विवाह धूमधाम से हुआ। आज भी इस विवाह की कथा को कांची-कावेरी के नाम से जाना जाता है। कांची दक्षिण भारत का प्राचीन नगर कांचीपुरम तो कावेरी दक्षिण भारत की नदी है। कांची-कावेरी नाम उस अभियान और कथा का प्रतीक बन गया जिसमें ओड़ीशा के गजपति राजा, दक्षिण भारत में युद्ध कर वहां की राजकुमारी को लाए। लोक-परंपरा और लोक-काव्य ने इस नाम को और मजबूत किया। ओड़ीया भाषा में कांची-कावेरी नाम से प्रसिद्ध काव्य और नाटक भी लिखे गए, जिसकी वजह से इसी शीर्षक के साथ यह कथा लोगों के जीवन का हिस्सा बनी।

अमर किरदार

> ओड़ीशा में गजपति वंश के राजा पुरुषोत्तम देव की भक्ति और सादगी की चर्चा दूर-दूर तक फैली थी। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा निकलती थी तो राजा सोने की झाड़ू से रथ के आगे सफाई करते हुए चलते थे।

केकेआर टाइटंस मैच में बना सबसे अधिक अर्धशतक का रिकार्ड

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और गुजरात टाइटंस के बीच खेला यहां के ईडन गार्डन मुकाबले में टी20 क्रिकेट का नया रिकार्ड बना है। इस मैच में 6 अर्धशतक लगने के साथह कुल मिलाकर 465 रन बने। ये पहली बार है जब किसी आईपीएल मैच में इतने अधिक छक्के और रन बने हैं। टी20 क्रिकेट में इससे भी ज़्यादा रन और छक्के पहले लगे हैं पर इस मैच की सबसे बड़ी ख़ासियत यह रही कि इसमें कोई भी बल्लेबाज़ शतक नहीं लगा पाया, फिर भी छह खिलाड़ियों ने अर्धशतकीय पारी खेली। यह टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ है जब एक ही मैच में छह बल्लेबाज़ों ने 50 या उससे अधिक रन का आंकड़ा पार किया हो।

18 करोड़ में पाथिराना को खरीदकर पछता रही होगी केकेआर

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी श्रीलंकाई पेसर मथीसा पाथिराना टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हुए हैं। टीम ने काफी उम्मीदों के साथ इस तेज गेंदबाज को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उसे इसका लाभ नहीं मिला। ये तेज गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से से भी बाहर रहा था। लंबे इंतजार के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ गत दिवस हुए मैच में फिट होने के कारण केकेआर ने उसे उतारा पर फायदा कुछ नहीं हुआ। पाथिराना इस मैच में 1.2 ओवर के बाद ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण फिर चोटिल हो गये।

केकेआर को प्लेऑफ के लिए बड़े अंतर से जीतने होंगे बचे हुए मैच

कोलकाकता। आईपीएल के 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। शुरुआती मैचों में लगातार हार के बाद टीम ने बाद के 6 में से पांच मैचों में जीत के साथ वापसी की है। उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। अब उसके 11 अंक है और अगर वह अगले दो मैचों को बड़े अंतर से लगातार जीत हासिल करती तो उसके 15 अंक हो जाएंगे, ऐसे में उसके प्लेऑफ की संभावननाएं बनी रहेंगी पर इसके लिए उसे अन्य मैचों के परिणामों के भी उसके अनुसार आने की उम्मीद करनी होगी।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी?

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतेगी सनराइजर्स

शाम 7-30 से होगा मुकाबला

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में वे मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी और सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओरे सीएसके पर दबाव रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 24 मैच हुए हैं। इसमें सीएसके ने 16 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 08 जीते हैं।

इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द सिंह धोनी के भी खेलने की संभावना है। अगर धोनी इस मैच में खेलते हैं तो इससे सीएसके को मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसे धोनी से बेहतर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

सीएसके की बल्लेबाज जहां कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा संजू सैमसन पर आधारित रहेगी। वहीं सनराइजर्स की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा के अलावा ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर करेगी। सीएसके की गेंदबाजी अंकुल कंबोल और नुर अहमद जबकि सनराइजर्स की ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे पर आधारित रहेगी।

दोनो ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं =

चेन्नई सुपर किंग्स = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा/एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, गुरजापनीत सिंह।

इम्पैक्ट प्लेयर= शिवम दुबे

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, नितीश कुमार रेड्डी, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे

इम्पैक्ट प्लेयर= ट्रैविस हेड

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा - माइकल हसी

- बल्लेबाजी कोच बोले- अभी उम्मीद बाकी है

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए।

माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं।

योगराज ने गिरफ्तारी से बचने अग्रिम जमानत याचिका लगायी , 20 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर से अभिनेता बने योगराज सिंह, अपनी हालिया वेब सीरीज लुख्खे में कथित तौर पर आपत्तिजनक और महिला-विरोधी डायलॉग के चलते विवादों में घिर गए हैं। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के बाद उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का रुख किया है और अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। दिल्ली की एक अदालत में इस याचिका पर 20 मई को सुनवाई होगी, जिसके लिए अदालत ने राज्य सरकार से भी जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि विवाद तब शुरू हुआ जब 8 मई, 2026 को रिलीज़ हुई हिंदी वेब सीरीज़ लुख्खे की एक 17-सेकंड की क्लिप सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गई। इस क्लिप में योगराज सिंह का किरदार, जिसे वालिया साहब के रूप में पहचाना गया है, कथित तौर पर एक महिला पुलिस अधिकारी से बात करते हुए एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी करता है। इस बयान को महिला की गरिमा पर चोट पहुँचाने वाला मानते हुए, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष उज्ज्वल भसीन और अधिवक्ता जतिन वर्मा ने योगराज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

यह शिकायत भारतीय न्याय संहिता की धारा 79, जो महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने के इरादे से किए गए कृत्य दिखाती है। आरोप है ये संवाद न केवल घरेलू जिम्मेदारियाँ संभालने वाली महिलाओं को बल्कि उन सभी महिलाओं को निशाना बनाते हैं जो घर से बाहर निकलकर काम करती हैं और अपनी रोजी-रोटी कमाती हैं।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

- संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला। अब माना जा रहा है कि उसी प्रदर्शन का फायदा उन्हें वनडे टीम में भी मिलेगा। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 19 मई को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने संभावित टेस्ट खिलाड़ियों को तैयारी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था।

अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि क्रिकेट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

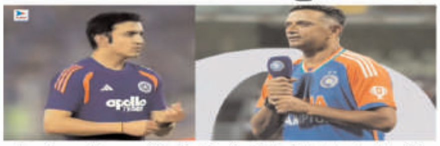

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है।

उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है। राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

केकेआर के खिलाफ तीन कैच छोड़ना बना हार का कारण : पार्थिव

कोलकाता। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ यहां हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इसके लिए हमारी खराब फील्डिंग भी जिम्मेदार रही। हमारे खिलाडियों ने केकेआर के जिन भी खिलाडियों के कैच छोड़े उन्होंने लंबी पारियां खेलकर मैच हमारे हाथ से छीन लिया। इस मैच को गुजरात टाइटन्स जीतकर प्लेऑफ के लिए जगह बनाने उतरी थी पर हार से उसके सपनों पर पानी फिर गया। अब उसे प्लेऑफ में जगह बनाने किसी भी प्रकार अंतिम मैच जीतना होगा। केकेआर के खिलाफ 29 रनों से हार के बाद पार्थिव ने कहा, कैच छोड़ने से मैच में अंतर आया। साथ ही कहा कि बड़े लक्ष्य वाले मैच में एक भी कैच छोड़ना भारी पड़ जाता है क्योंकि जब आप अच्छे बल्लेबाज के खिलाफ खेल रहे होते हैं, तो आपको ज्यादा अवसर नहीं मिलते। जैसे ही आपको वह मौका मिलता है, आपको यह पक्का करना होता है कि आप उसे गंवायें नहीं।

गुजरात टाइटन्स के मोहम्मद सिराज ने जब फिन एलेन का कैच छोड़ा को वह 33 रन पर थे। एलेन ने बाद में 93 रन बनाये। वहीं कैमरोन ग्रीन जब 23 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो अरशद खान ने उनका कैच छोड़ दिया। ग्रीन ने इसके बाद 52 रन बनाये। वहीं अंगकृष रघुवंशी का कैच वॉशिंगटन सुंदर ने जब गिराया तब वह 53 रनों पर थे। बाद में उन्होंने नाबाद 82 रन बना दिये जिससे केकेआर 250 से अधिक रन बनाने में सफल रही। । स्कोर भी केकेआर का 250 के करीब चला गया था। पार्थिव ने केकेआर के बल्लेबाज फिन एलेन की प्रशंसा की की और कहा, उन्होंने बहुत अच्छी पारी खेली, इसमें कोई संदेशक नहीं है। साथ ही कहा कि एलन ने जिस प्रकार से मोहम्मद सिराज, और कगिसो रबाडा जैसे गेंदबाजों का सामना किया। वह आसान नहीं था।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया, सौरव गांगुली ने सुनाया किस्सा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है। गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर +नहीं+ था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था।

आईपीएल को सीमित स्थलों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग उठी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बिना दर्शकों के सीमित स्थल पर आयोजित किये जाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस सत्र में आईपीएल मुकाबले अलग-अलग शहरों में खेले जा रहे हैं। इसके कारण हवाई यात्राओं का खर्च बढ़ रहा है। इसके अलावा हजारों दर्शकों के स्टेडियम पहुंचने के कारण भी प्रेट्रोल और डीजल की जमकर खपत हो रही है। ऐसे में सत्र में टीमों द्वारा की जा रही लगातार हवाई यात्राओं और भारी ईंधन खपत को लेकर केंद्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को देखने की अपील की गयी है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से आईपीएल के शेष मैचों के लिए नया कार्यक्रम जारी करने और उन्हें सीमित मैदानों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय में उठी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर के सरकारी विभाग, राजनेता, अधिकारी और आम नागरिक अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास कर रहे हैं।

वहीं 28 मार्च से शुरू हुए इस आईपीएल में टीमों को अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के विभिन्न शहरों में यात्रा करनी पड़ रही है। अनुमान है कि अब तक टीमें हवाई और सड़क मार्ग से लाखों किलोमीटर का सफर तय कर चुकी होंगी। मौजूदा परिस्थितियों में, ये हवाई यात्राएं केंद्र सरकार और देश के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस मुश्किल वक्त में, जब हर क्षेत्र में कटौती और मितव्ययिता पर जोर दिया जा रहा है, आईपीएल ही एक ऐसा बड़ा आयोजन है जिसमें कोई संकट नहीं दिख रहा। इसी मुद्दे पर गोयल ने मांडविया को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहला, हवाई यात्रा में कटौती करते हुए लीग के बचे हुए मैचों के लिए एक नया और संशोधित शेड्यूल जारी किया जाए। दूसरा, शेष मैचों को सीमित संख्या के वेन्यू पर बिना दर्शकों के आयोजित किया जाए।

मनाया गया डेंगू नियंत्रण दिवस

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने दी डेंगू से बचाव की सलाह

रीवा (कीर्तिप्रभा) डेंगू मच्छर जनित बीमारी है। डेंगू से बचाव के लिए गत दिवस जिला चिकित्सालय में डेंगू नियंत्रण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने कहा कि छोटी-छोटी सावधानी बरतकर डेंगू से बचाव किया जा सकता है। डेंगू रोग एडीज प्रजाति के मच्छर के काटने से होती है। यह मच्छर साफ पानी में प्रजनन करता है। कूलर, पुराने टायर, पानी की टंकियां, पालीथिन, खुले में रखे अनुपयोगी बर्तन, गमले, मटके आदि में डेंगू के मच्छर पनपते हैं। इससे बचाव के लिए घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। पुराने बर्तनों, टायरों, गमलों आदि में भी पानी का संग्रहण न होने दें। मटके, पानी की टंकियों आदि की नियमित साफ-सफाई करते रहें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। यदि बुखार आता है तो खून की जाँच कराकर डॉक्टर की सलाह के अनुसार उचित उपचार कराएं। स्वास्थ्य विभाग रीवा शहर में नगर निगम के सहयोग से घरों और कार्यालयों में लगातार निरीक्षण करके कूलर तथा अनुपयोगी बर्तनों में जमा पानी की जाँच कर रहा है। किसी भी स्थान पर डेंगू मच्छर के लार्वा पाए जाने पर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम में डॉ. केबी गौतम, जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव तथा स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम मुरारी कुमार ने डेंगू के बचाव के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर भ्रमण के लिए रवाना किया।

फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 19 मई को लगेंगे विशेष शिविर

रीवा (कीर्तिप्रभा) शासन के निर्देशों के अनुसार किसानों के सभी खसरा नम्बर एग्रीस्टेक पोर्टल पर दर्ज करके किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा रही है। इसके आधार पर ही किसानों को किसान सम्मान निधि का भुगतान किया जा रहा है। रीवा जिले में किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए 20 मई तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविरों के आयोजन के लिए तहसीलवार स्थल और तिथियाँ निर्धारित कर दी गई हैं। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि सभी एसडीएम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविरों का आयोजन कराएं। शिविरों के लिए जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक तथा पटवारी शिविर में उपस्थित रहकर किसानों के समस्त खसरे को फार्मर आईडी से लिंक कराएं। सभी छूटे हुए किसान अपने आधार कार्ड, खसरा और खतौनी की प्रति, मोबाइल नम्बर तथा समग्र आईडी के साथ शिविर में शामिल होकर छूटे हुए खसरा नम्बर आईडी से लिंक करा लें। 19 मई को यहाँ लगेंगे शिविर - फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 19 मई को तहसील सिरमौर में डिहिया, माड़ौ, हर्दीकला, हर्दीखुर्द निबुहा, सौर, हटवा, लोटनी, सेंदहा तथा हिनौती में शिविर लगेंगे। तहसील जवा में लोहगढ़, बीसड़, हरदोली, गहिलवार, कल्याणपुर, खम्हरिया, तेंदुनी, परिहारिन पुरवा, बसरेही, किरहाई, खम्हरिया, पतेरी, झलवा, बेलगवां, भुनगांव, अकौरी, चांदी, बराह, केंचुआ तथा पैरा में शिविर लगेंगे। तहसील मनगवां बुसौल, सर, पोंपी, कटहा, धवैया, कठेरी, सूरा, आलमगंज, बेलवा पैकान, पलिया नम्बर दो, सिलपरी, रघुराजगढ़ तथा अमवा में शिविर लगेंगे। तहसील हुजूर ग्रामीण में अमिलकी, सहिजना, धोबखरा, शुकुलगवां, खिहिया, छिरहटा, सकरवट, रौरा, हर्दीशंकर, नैकिन तथा बजरंगपुर में शिविर लगेंगे। हुजूर नगर तहसील में भटलो, कोठी, खौर, जोरी लोही तथा लक्ष्मणपुर में शिविर लगेंगे। इन शिविरों में पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा कृषि विस्तार अधिकारियों को किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए तैनात किया गया है।

कलेक्टर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी 18 मई को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित बैठक में टीएल पत्रो तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणो के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक मे मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की भी विभागवार समीक्षा की जाएगी। बैठक में गेंहू उपार्जन, पेयजल व्यवस्था, संचारी रोगों से बचाव तथा ई आफिस व्यवस्था की भी समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के आवेदन के लिए अंतिम तिथि आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के लिये 18 मई तक आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में जिला संयोजक जनजातीय कार्य केके पाण्डेय ने बताया कि विदेश में उच्च शिक्षा जैसे शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, पी.एच.डी. एवं स्नातकोत्तर करने हेतु चयनित अभ्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की जाएगी। रीवा संभाग के लिए पाँच उम्मीदवारों को इस योजना से विदेश अध्ययन का अवसर दिया जा रहा है। इस योजना के तहत आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट ट्राइबल डाट एमपी डाट जीओव्ही डाट इन पर उपलब्ध है। योजना अंतर्गत अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान प्रचलित योजना नियमों में प्रावधान अनुसार किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डाट ट्राइबल डाट एमपी डाट जीओव्ही डाट इन पर अथवा कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, 59, आदि भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल/संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनु. जाति विकास/सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक जनजातीय कार्य में उपस्थित होकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर 123362 मी. टन हुई गेंहू की खरीद

रीवा (कीर्तिप्रभा) . किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। अब तक 27293 किसानों से 123362 मैट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताण्डेकर ने बताया कि गेंहू उपार्जन के लिए अब तक 35213 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। उपार्जित गेंहू में से 74704 मीट्रिक टन का परिवहन कराकर सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है। किसानों के खाते में अब तक 131 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिले में 79 खरीदी केन्द्रों में गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। सभी किसान उपार्जन के लिए अपनी सुविधा के अनुसार 23 मई तक स्लॉट बुक कर सकते हैं। उपार्जन के लिए साफ-सुथरा और गुणवत्तापूर्ण गेंहू उपलब्ध कराएं।

सबसे दूर-सबसे पहले अभियान के तहत आज से शुरू होंगी गतिविधियाँ

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). जिले में राष्ट्रव्यापी सूचना शिक्षा और संचार अभियान के तहत आदिवासियों को कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के गांवों में सबसे दूर-सबसे पहले अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। आगामी 25 मई तक आयोजित किए जा रहे अभियान में शिविरों के आयोजन के साथ ही वृक्षारोपण, हितलाभ वितरण, स्वास्थ्य परीक्षण और आजीविका दृश्यता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर पर आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन खाता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, श्रमकार्ड एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शिविर के माध्यम से दिया जाएगा। मैदानी स्तर पर आयोजित गतिविधियों में आदि कर्मयोगी व एनजीओ ग्रामों का भ्रमण करेंगे और प्रत्येक आदि सेवा केन्द्र में जनसुनवाई कर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने संबंधित अधिकारियों को अभियान के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी

मऊगंज अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी पीके पाण्डेय ने तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी हनुमना, सीएमओ एवं चार्ज अधिकारी नईगढ़ी, जीआरएस आशीष कुमार साकेत तथा सहायक शिक्षक रामसिया कोल को जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब तीन दिवस में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। समय सीमा में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा संतोषजनक नही पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही अपर कलेक्टर ने सभी ग्रामीण और नगरीय चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मकान सूचीकरण सर्वे कार्य में पाई जा रही त्रुटियों और विसंगतियों को दूर कराएं जिससे समय सीमा में मकान सूचीकरण कार्य पूरा किया जा सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत बेलवा पैकान एवं तिवनी का किया निरीक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने ग्राम पंचायत बेलवा पैकान व तिवनी का निरीक्षण किया। उन्होंने तिवनी के सामुदायिक भवन को जल्द से जल्द गुणवत्ता पूर्वक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अंतर्गत तालाबो का निरीक्षण कर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश सीईओ द्वारा दिये गये। बेलवा पैकान अंतर्गत आंगनवाड़ी भवन में निर्माणाधीन रूफ टाप हार्वेस्टिंग में उपयोग हो रहे सामग्री का परीक्षण कर अगले दो दिन में कार्य को पूर्ण करने के लिए संबंधित उपयंत्री को निर्देश दिए गए।

आंगनबाड़ी के निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पंजी संधारित ना किए जाने पर परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया गया की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को नोटिस जारी करे। सरपंच एवं सचिव को आंगनवाड़ी परिसर को साफ सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद सीईओ गंगेव को जिला पंचायत सीईओ ने निर्देश दिये कि दो दिन बाद निरीक्षण कर इन सभी कार्यों की प्रगति और दिए गए निर्देशो का पालन प्रतिवेदन जिला पंचायत को प्रेषित करें।

शिवपुरवा में किसान रथ ने दिया उन्नत खेती का संदेश

रीवा (कीर्तिप्रभा) मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को च्कृषक कल्याण वर्षज्ज् के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों को खेती की आधुनिक तकनीक तथा जैविक खेती की जानकारी देने के लिए जिले भर में किसान रथ भ्रमण कर रहा है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि भ्रमण के क्रम में किसान रथ ने विकासखंड रीवा के ग्राम शिवपुरवा का भ्रमण किया। रथ के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों तथा विभागीय अधिकारियों ने किसानों को खरीफ फसलों में संतुलित उर्वरको के प्रयोग की जानकारी दी। किसान रथ से किसानों को ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। किसानों को फसल विविधीकरण, पराली प्रबंधन तथा खरीफ पूर्व खेत समतलीकरण, जल संरक्षण एवं संवर्धन, खरीफ फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन की जानकारी दी गई। कृषि के साथ-साथ पशुपालन विभाग की डेयरी प्लस योजना, डॉ भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना की भी जानकारी दी गयी। कृषि वैज्ञानिक एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारी किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों एवं विभागीय योजनाओं से अवगत कराया गया। कृषि रथ के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विभागों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालन से किया जा रहा है। दल में कृषि वैज्ञानिक श्रीमती स्मिता सिंह,वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी.पी. सिंह, साक्षी द्विवेदी विकास खण्ड तकनीकी प्रबंधक, कृषि विस्तार अधिकरी आकांक्षा सिंहरौल, पशुपालन विभाग से वाय. पी. सिंह एवं प्रगतिशील कृषकों की उपस्थिति रही।

गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए उपयोगी है रोटावेटर

रीवा (कीर्तिप्रभा) ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। खेती के आधुनिकीकरण के साथ इसका तेजी से यंत्रीकरण हो रहा है। अब खेतों की जुताई लगभग शत-प्रतिशत ट्रैक्टरों के माध्यम से होती है। ट्रैक्टर से संचालित कई कृषि उपकरण किसानों के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ट्रैक्टर के माध्यम से चलने वाला रोटावेटर और रोटरी टिलर्स खेतों की गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए बहुत उपयोगी है। रोटावेटर से किसान अपनी सुविधा और उपयोगिता के अनुसार जुताई की गहराई का निर्धारण कर सकते हैं। इसके उपयोग से नरवाई तथा अन्य खरपतवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटकर मिट्टी में मिल जाते हैं। बारिश के बाद इनसे मिट्टी के लिए बहुत उपयोगी हरी खाद तैयार होती है जिससे मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। धान की रोपाई के लिए खेत को समतल करने और पडलिंग के लिए भी रोटावेटर का उपयोग किया जा सकता है। रोटावेटर का उपयोग 35 हार्सपावर से 55 हार्सपावर तक के ट्रैक्टर में सबसे कारगर होता है। रोटावेटर से सामान्य रूप में तीन घण्टे मे एक हेक्टेयर के खेत में जुताई का कार्य हो जाता है। बाजार में रोटावेटर के कई माडल उपलब्ध हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार इनका उपयोग कर सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा रोटावेटर के लिए अनुदान की भी सुविधा उपलब्ध है।

आज 31 स्थानों में लगेंगे शिविर

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). जिले में फार्मर रजिस्ट्री सैचुरेशन की कार्यवाही को पूर्ण करने के लिए 20 मई तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा है कि इन शिविरों के माध्यम से किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाएगी और उनके सभी खसरों को इस आईडी से लिंक किया जाएगा।

शिविर में आने वाले किसानों को अपने साथ आधार कार्ड, भूमि स्वामित्व प्रमाण (खसरा खतौनी), मोबाइल नंबर और समग्र आईडी लाना अनिवार्य होगा। यदि किसान की मृत्यु हो चुकी है, तो उस स्थिति में परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य वारिसों का सहमति पत्र प्रस्तुत करना होगा। ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री से लिंक भूमि के अनुपात में ही फसलों के आधार पर उर्वरक प्रदाय किया जाना है। फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 18 मई को नईगढ़ी तहसील में हकरिया, नरैनी, जिलहड़ी, पथरौड़ा कला, पुरवा, पुरैनी, बहुती, चकरहा टोला, पहरखा तथा मुड़िला में शिविर लगेंगे। मऊगंज तहसील में डगडौवा, रतनगवां, देवतालाब, भाटी सेंगर, अटरिया शिवप्रसाद, जमुहरा, मुदरिया चौबेन, सरई सेंगर, डगडौआ, लौर कला तथा शिवपुरवा में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए शिविर लगाए जाएंगे। हनुमना तहसील में पहाड़ी, बिछौली गहरवार, हर्दी, पिपराही, बरही, रमकुड़वा, फूल हरचन्द सिंह, खैरा, बिछरहटा तथा धौसड़ में शिविर लगेंगे। इन शिविरों में पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा कृषि विस्तार अधिकारियों को किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिए तैनात किया गया है।

अनुसूचित जाति महिलाओं के लिए लाभकारी है सावित्रीबाई फुले योजना

रीवा (कीर्तिप्रभा) सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अनुसूचित जाति की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता का अवसर देने के लिए अन्त्यावसायी सहकारी समिति द्वारा सावित्रीबाई फुले स्वसहायता समूह योजना लागू की गई है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अन्त्यावसायी सहकारी समिति एमपी पाठक ने बताया कि अनुसूचित जाति की महिलाओं के स्वसहायता समूह को इस योजना के तहत प्रति सदस्य के मान से अधिकतम 2 लाख रुपए का ऋण दिया जा रहा है। भारत सरकार की विशेष केन्द्रीय सहायता के तहत समय-समय पर प्रति हितग्राही को 10 हजार रुपए का अनुदान भी दिया जाता है। अनुसूचित जाति वर्ग की 18 से 55 आयु वर्ग की महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। इसके लिए सदस्य की वार्षिक आय शहरी क्षेत्र में 55 हजार रुपए तथा ग्रामीण क्षेत्र में 40 हजार रुपए वार्षिक से अधिक नहीं होनी चाहिए। हितग्राही का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। इस योजना के तहत महिला स्वसहायता समूहों को लघु और कुटीर उद्योग, पशुपालन, हस्तशिल्प जैसे परंपरागत व्यवसायों में स्वरोजगार का प्रशिक्षण और वित्त पोषण की सुविधा दी जाती है। अनुसूचित जाति वर्ग की सफाई कामगार, दिव्यांग तथा कल्याणी महिलाओं को इसमें प्राथमिकता दी जाती है। योजना का लाभ उठाने के लिए जिला अन्त्यावसायी सहकारी समिति कार्यालय कलेक्ट्रेट में संपर्क किया जा सकता है।

जमीन के बदले जमीन, मजदूर शोषण, पर्यावरण नियम उल्लंघन और मीडिया से दूरी को लेकर टोरेंट पावर कंपनी घिरी

कोतमा/ रक्सा कोलमी क्षेत्र में न्यू जोन टोरेंट पावर कंपनी द्वारा आयोजित जनसुनवाई उस समय तनावपूर्ण माहौल में बदल गई जब बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों ने कंपनी एवं प्रशासन के खिलाफ खुलकर नाराजगी जाहिर की। जनसुनवाई में क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याओं और आशंकाओं को मजबूती से रखते हुए कहा कि यदि अभी से कंपनी की कार्यप्रणाली ऐसी रही तो आने वाले समय में ग्रामीणों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता है।जनसुनवाई में किसानों का सबसे बड़ा मुद्दा जमीन अधिग्रहण को लेकर सामने आया। किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पुश्तैनी जमीन केवल मुआवजे के आधार पर नहीं ली जा सकती। किसानों ने मांग उठाई कि यदि परियोजना के लिए उनकी जमीन ली जाती है तो उन्हें च्जमीन के बदले जमीनज्ज् दी जाए, ताकि उनका भविष्य और परिवार सुरक्षित रह सके। ग्रामीणों का कहना था कि खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और केवल आर्थिक मुआवजा देकर उनकी पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता। कई किसानों ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा प्रारंभिक स्तर पर ही ग्रामीणों को पूरी जानकारी दिए बिना प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। लोगों का कहना था कि परियोजना के फायदे तो बताए जा रहे हैं, लेकिन उससे होने वाले पर्यावरणीय और सामाजिक नुकसान पर खुलकर चर्चा नहीं की जा रही।

जनसुनवाई में मजदूरों का दर्द भी खुलकर सामने आया। स्थानीय मजदूरों ने आरोप लगाया कि उनसे मात्र 300 से 350 रुपए की दिहाड़ी में लगातार 8 घंटे तक कठिन श्रम कराया जा रहा है। मजदूरों ने कहा कि वर्तमान महंगाई के दौर में इतनी कम मजदूरी में परिवार का पालन-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण नियमों के उल्लंघन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि क्षेत्र में कंपनी की गतिविधियों से जल स्रोतों, जंगल, कृषि भूमि और आसपास के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और संबंधित नियमों की कई धाराओं एवं उपधाराओं का पालन सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पूर्व में प्रकाशित खबरों एवं शिकायतों का गंभीरता से अवलोकन कर निष्पक्ष जांच कराई जाए।

राजनीतिक इच्छा शक्ति ने विकास के कीर्तिमान गढे राजेंद्र शुक्ल

मोबाइल से दूरी प्रशिक्षण स्थल पर रात विश्राम करेंगे कार्यकर्ता

रीवा ारतीय जनता पार्टी रीवा जिले का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के शनिवार को समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा में आयोजित हो रहा है जिसमें प्रदेश जिला पदाधिकारी विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर प्रदेश जिला स्तरीय पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष और महामंत्री अपेक्षित किए गए हैं भाजपा रीवा के प्रशिक्षण अभियान का उद्घाटन सुबह 11 बजे दीप प्रज्वल एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पणके साथ किया गया प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल.सांसद जनार्दन मिश्रा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता द्वारा सरकारी योजनाओं से जुड़ी प्रदर्शनी का कार्यक्रम स्थल पर उद्घाटन किया

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि हमने प्रदेश को बीमारू राज्य से बाहर लाकर विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा किया है एक दौर था जब मध्य प्रदेश बीमारू राज्य के कलंक से ग्रसित था हमारी विकास दर निचले पायदान पर थी प्रदेश के गांव अंधेरे में डूबे थे सड़कों के स्थान पर गड्ढे ही गड्ढे थे ना बिजली थी ना सड़के थी और प्रदेश की युवाओं का भविष्य भी चौपट हो रहा था 03 में भाजपा सरकार बनने के बाद प्रदेश का चौमुखी विकास हुआ है और विकास के लिए कभी भी पैसे की कमी नहीं आई श्री शुक्लने कहा कि आज हमारी सरकार ने वह काम किया है जिनको लोग असंभव मानते थे हमने बिजली मंत्री रहते हुए पूरे प्रदेश में 24 घंटे बिजली देने की विधानसभा में घोषणा की तो विरोधी दल के लोग उछल पड़े थे और कह रहे थे कि असंभव है हमने उसे पूरा करके दिखाया आज प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में एक शक्तिशाली वैभवशाली और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है 03 में प्रदेश की जनता ने बंटाधार युग को समाप्त करने के लिए हमारी सरकार को चुना था तभी से प्रदेश में विकास के नए युग की शुरुआत हुई हमने विकास के साथ जन सरोकारों को भी पूरा करने का काम किया है कांग्रेस ने पूरे प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था और विंध्य को सबसे पिछड़ा क्षेत्र के रूप में पहचान जाता था हमने सड़क बिजली पानी चिकित्सा शिक्षा हर क्षेत्र में अद्भुत पूर्व काम किया है हम सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विचारधारा के तौर पर जाने जाते हैं। आज हर क्षेत्र में प्रदेश विकास की राह पर तेजी के साथ बढ़ रहा है।

भाजपा प्रशिक्षण महा अभियान की प्रस्तावना रखते हुए भाजपा रीवा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि हमारे संगठन की सफलता का राज हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण में है, और यही कारण है कि हम इन कार्यशालाओं व प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण महाअभियान केवल कार्यकर्ताओं की क्षमता को बढ़ाने के लिए नहीं है, बल्कि यह पार्टी की विचारधारा और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त होगीप्रशिक्षण पार्टी की विचारधारा और कार्यपद्धति आगे बढ़ने के लिए है*

सतना महापौर योगेश ताम्रकार ने विचार परिवार पर संबोधन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग पार्टी की विचारधारा और कार्य पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए है। यह एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि हमारा विचार परिवार विविध क्षेत्रों में काम कर रहा है जिसकी बदौलत आज हम बट वृक्ष की तरह खड़े हैं कार्यकर्ताओं को यह जानना चाहिए कि हमारे विचार परिवार के लोग किस लग्न और मेहनत से विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे भाजपा एक संगठन आधारित राजनीतिक दल है, जो पूरी तरह से कार्यकर्ता आधारित है। भाजपा का कार्यकर्ता विचारधारा से प्रेरित है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।